कृष्ण पक्ष, 21 वर्ष, अंक 310, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | मंगलवार 06 दिसंबर 2022 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

हिमाचल में हलचल, एमसीडी में बदलाव के संकेत

एग्जिट पोल: गुजरात में 'गढ़' बरकरार

नई दिल्ली: गुजरात विधानसभा के दूसरे फेज की वोटिंग सोमवार को खत्म हो गई। अब 8 दिसंबर को गुजरात के साथ ही हिमाचल प्रदेश के चुनावी नतीजों का इंतजार है। अगले 72 घंटे में यह तय हो जाएगा कि इस बार दोनों राज्यों में भाजपा वापसी करेगी या फिर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) बाजी मार ले जाएगी। हालांकि इससे पहले सोमवार को आए एग्जिट पोल में गुजरात में 27 साल से सत्ता पर काबिज भाजपा रिकॉर्ड 7वीं बार सरकार बनाती दिख रही है। वहीं हिमाचल प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबले का अनुमान है। आप दांवों के मुताबिक कमाल करती नहीं दिखी।

तीन एग्जिट पोल के मुताबिक गुजरात में भाजपा की रिकॉर्ड 7वीं बार बहुमत की सरकार बनने का अनुमान है। भाजपा को 117 से 148 सीटें मिलने का दावा किया जा रहा है। वहीं, 2017 के विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा को तब 99 सीटें मिली थीं। यानी भाजपा अपने पिछले प्रदर्शन से बेहतर करती नजर आ रही है। इधर कांग्रेस को एक बार फिर झटका लगने का अनुमान है। कांग्रेस को तीन सर्वे में 30 से 51 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। पिछली बार कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं। वहीं आम आदमी पार्टी अपने दांवों के विपरीत प्रदर्शन करती नजर नहीं आ रही है। यहां पार्टी 3 से 13 सीट के साथ खाता खोलती जरूर नजर आ रही है। हालांकि सितंबर 2021 में रूपाणी की जगह भूपेंद्र पटेल को मुख्यमंत्री बना दिया गया। मंत्रिमंडल में भी फेरबदल किया गया था। गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गृह क्षेत्र भी है। वे यहां 2001 से 2014 तक सीएम भी रह चुके हैं। भाजपा यहां 1995 से सत्ता में है। तब से कांग्रेस यहां वापसी नहीं कर पाई है। हालांकि 2017 में कांग्रेस ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी थी।

हिमाचल: कांग्रेस-बीजेपी में कांटे की टक्कर

एग्जिट पोल के मुताबिक पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भाजपा और कांग्रेस के बीच कांटे का मुकाबला है। पांच एजेंसी के सर्वे में भाजपा 32 से 40 के बीच यानी बहुमत के करीब दिख रही है, लेकिन कांग्रेस का भी आंकड़ा बहुमत को छूता नजर आ रहा है। पांचों सर्वे में कांग्रेस को भी 27 से 40 के बीच सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। यानी भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला लगभग बराबरी का है। वहीं आप सिर्फ एक सर्वे में एक सीट लाती दिख रही है। एग्जिट पोल पर हिमाचल प्रदेश के सीएम जयराम ठाकुर ने कहा कि अधिकांश एक्जिट पोल में यह देखने को मिल रहा है कि हिमाचल में भाजपा सरकार बनने जा रही है। 1-2 जगह ऐसी हैं जहां कांटे की टक्कर दिखाई जा रही है। मुझे लगता है कि हमें 8 तारीख यानी नतीजों के दिन का इंतजार करना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश की 68 विधानसभा सीटों के लिए 12 नवंबर को वोटिंग हुई थी। इस बार भी मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही माना जा रहा है। 2017 में हुए विधानसभा चुनाव की बात की जाए तो हिमाचल विधानसभा की 68 सीटों में से भाजपा ने 44 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि कांग्रेस ने 21 सीटें हासिल की थी। जयराम ठाकुर को मुख्यमंत्री बनाया गया था।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के एग्जिट पोल आ गए हैं।

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनाव के एग्जिट पोल आ गए हैं।। दुनिया के सबसे बड़े निगम में से एक एमसीडी की सत्ता 15 साल बाद भाजपा के हाथ से फिसलकर आम आदमी पार्टी (आप) के हाथ में जाती दिख रही है। इंडिया टुडे-एक्सिस माय इंडिया और टाइम्स नाउ-ईटीजी के एग्जिट पोल के मुताबिक एमसीडी में आप की सरकार भारी बहुमत से बनती दिख रही है। भाजपा दूसरे और कांग्रेस का करीब पूरी तरह से सफाया होता दिख रहा है।

दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी की जीत के संकेत: इंडिया टुडे एक्सिस के मुताबिक, दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी की जीत के संकेत मिले हैं। 250 सीटों में से भाजपा को 69 से 91 और आप को 149-171 सीटें मिलने का अनुमान है। जबकि कांग्रेस तीन से सात सीटों पर सिमटने का अनुमान है। आम आदमी पार्टी को महिलाओं ने 46 प्रतिशत और पुरुषों ने 40 फीसदी वोट दिया।

बीजेपी को 34 फीसदी महिला और 36 % पुरुषों ने दिया वोट। कांग्रेस को महिलाओं ने 9 फीसदी और पुरुषों ने 11 फीसदी वोट दिया। अन्य को 11 फीसदी महिलाओं ने तो 13 फीसदी पुरुषों ने वोट दिया।

योगी सरकार ने पेश किया 33 हजार 700 करोड़ रु. का अनुपूरक बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने विधान मंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को 33789.54 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया। प्रस्तावित अनुपूरक मांग में 13,756.84 करोड़ रुपये राजस्व लेखा तथा 20012.70 करोड़ रुपये पूंजी लेखा है। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने विधानसभा में अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया जबकि उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विधान परिषद के समक्ष अनुपूरक अनुदानों की मांग रखी। अनुपूरक बजट में युवाओं को बांटे जा रहे टैबलेट व स्मार्ट फोन और 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ के लिए भी व्यवस्था की गई है। साथ ही फरवरी में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट-2023 के आयोजन हेतु भी बजटीय व्यवस्था की गई है।

उप्र: 71 जिलों में राज्य कर विभाग ने मारे छापे

लखनऊ। कर चोरी के मामले में उत्तर प्रदेश के 71 जिलों में सोमवार को राज्य कर विभाग (एसजीएसटी) की 248 टीमें संवेदनशील इलाकों में छापेमारी कर रही हैं। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार लगातार यह सूचनाएं मिल रही थीं कि की जिलों में व्यापारी बगैर बिल के माल की बिक्री करके भारी मात्रा में टैक्स चोरी कर रहे हैं। महकमे ने इसे संज्ञान में लिया, जिसके परिणामस्वरूप एसजीएसटी की 248 टीमें 71 जिलों में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई में संलग्न हैं।

जबरन धर्मांतरण संविधान के खिलाफ: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली: जबरन धर्मांतरण मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस बार भी जबरन धर्मांतरण को गंभीर समस्या बताया और कहा कि जबरन धर्मांतरण भारत के संविधान के खिलाफ है। 14 नवंबर को हुई पिछली सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र सरकार से इसे रोकने का प्लान पूछा था और हलफनामा दाखिल करने को कहा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस एमआर शाह और सीटी रविवकुमार की बेंच को बताया कि वे सभी राज्यों से जबरन धर्मांतरण का डेटा इकठ?ठा कर रहा है। इसके लिए उन्होंने कोर्ट से एक हफ्ते का समय मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 12 दिसंबर को होगी।

याचिकाकर्ता ने की थी धर्म परिवर्तन रोकने के लिए अलग से कानून बनाने की मांग: जबरन धर्म परिवर्तन को लेकर एडवोकेट अश्विनी उपाध्याय ने याचिका दायर की थी। याचिका में मांग की गई थी कि धर्म परिवर्तनों के ऐसे मामलों को रोकने के लिए अलग से कानून बनाया जाए या फिर इस अपराध को भारतीय दंड संहिता में शामिल किया जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि यह मुद्दा किसी एक जगह से जुड़ा नहीं है, बल्कि पूरे देश की समस्या है जिस पर तुरंत ध्यान देने की जरूरत है।

कोर्ट ने कहा- भारत में रहने वालों को यहां की संस्कृति के हिसाब से चलना होगा: एक वकील की तरफ से इस याचिका की मान्यता पर सवाल उठाए जाने पर बेंच ने कहा कि इतना टेक्निकल होने की जरूरत नहीं है। हम यहां पर उपाय ढूंढने के लिए बैठे हैं। हम यहां एक मकसद के लिए हैं। हम चीजों को ठीक करने आए हैं।

सिंगापुर में लालू का किडनी ट्रांसप्लांट सफल

पटना: सिंगापुर के अस्पताल में सोमवार को राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का किडनी ट्रांसप्लांट सफल रहा। 1 घंटे तक ये ऑपरेशन चला। लालू को उनकी बेटी रोहिणी ने किडनी डोनेट की है। लालू से पहले रोहिणी का ऑपरेशन किया गया। फिलहाल दोनों आईसीयू में हैं। लालू के छोटे बेटे और डिप्टी सीएम तेजस्वी ने फेसबुक पर एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने लिखा की पापा होश में हैं। बातें कर रहे हैं। आप सभी की शुभकामनाओं के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद। मीसा भारती ने भी सोशल मीडिया पर लिखा कि पापा ठीक हैं। ऑपरेशन से पहले रोहिणी ने लालू के साथ फोटो ट्वीट की। लिखा- रेडी टु रॉक एंड रोल। मेरे लिए इतना ही काफी है, आपकी खैरियत मेरी जिंदगी है। राजद सुप्रीमो के किडनी ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया 3 दिसंबर से शुरू हो गई थी।

'आतंकवाद के रहते पाक से बातचीत नहीं की जा सकती'

नई दिल्ली: जर्मनी की विदेश मंत्री एनालेना बेयरबॉक दो दिनी भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंचीं। उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की। इसके बाद साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में बेयरबॉक ने ने कहा कि मौजूदा वैश्विक माहौल में दोनों देशों का साथ खड़े होना जरूरी है। वहीं, जयशंकर ने कहा कि आतंकवाद के रहते पाकिस्तान से बातचीत नहीं की जा सकती। इससे बेयरबॉक ने भी सहमति जताई। विदेश मंत्री एस जयशंकर और जर्मनी की उनकी समकक्ष एनालेना बेयरबॉक के बीच द्विपक्षीय मसलों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच

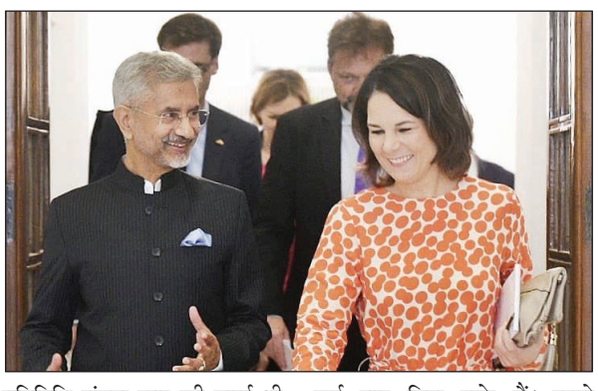

प्रतिनिधि मंडल स्तर की वार्ता भी हुई। जयशंकर से मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित किया। बेयरबॉक ने कहा कि हम इस वर्ष कई बार मिल चुके हैं। इससे साबित होता है कि हमारे बीच घनिष्ठ समन्वय कितना महत्वपूर्ण है। आज दुनिया जिस चुनौतीपूर्ण स्थिति में उलझी हुई है, उसमें इसकी बहुत आवश्यकता है। इस कठिन समय में हमारा मिलकर खड़ा होना बहुत जरूरी है।

गांधी स्मृति संग्रहालय से शुरू की यात्रा: जर्मनी की विदेश मंत्री ने कहा, मैंने गांधी स्मृति संग्रहालय से भारत की अपनी यात्रा शुरू की। जब मैंने आज महात्मा गांधी के अंतिम कदमों का अनुसरण किया तो मुझे पूरी तरह से पता चला कि भारत की स्वतंत्रता की राह वास्तव में आसान नहीं थी।

हमारी रणनीति साझेदारी दो दशकों से ज्यादा पुरानी: इस मौके पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'हमारी रणनीतिक साझेदारी जो दो दशकों से अधिक पुरानी है।

'रूस से ईयू का तेल आयात भारत से छह गुना'

नई दिल्ली: जर्मनी की विदेश मंत्री दो एनालेना बेयरबॉक दिवसीय भारत दौर पर हैं। इस दौरान उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष डॉ. एस जयशंकर के साथ मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जयशंकर ने पिछले दो साल से जर्मन अधिकारियों के पास रह रही भारतीय बच्ची का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने रूस से तेल खरीदने के मुद्दे पर भी बात करते हुए कहा कि यूरोपीय संघ ने फरवरी से नवंबर तक रूस से दस देशों की तुलना में अधिक जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) का आयात किया है। उन्होंने कहा, अरिहा शाह नाम की एक बच्ची से जुड़ा मामला है। हमें चिंता है कि वह अपने भाषाई, धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परिवेश में होनी चाहिए। यह उसका अधिकार है। हमारा दूतावास जर्मन अधिकारियों के साथ इस पर काम कर रहा है। यह एक ऐसा विषय है जिसे मैंने मंत्रिस्तर पर भी उठाया था।

क्या है पूरा मामला: दरअसल, जर्मनी में रहने वाले गुजराती जोड़े को पिछले दो साल से अपनी ही बेटी से मिलने की अनुमति नहीं मिल रही है। बच्ची जर्मन प्रोटेक्शन अथॉरिटी के पास है। पहले उन्हें फिट टू बी पैरेंट्स सर्टिफिकेट लाने को कहा गया था। उन्होंने भारत सरकार से भी मामले में मदद की गुहार लगाई थी। भावेश और धारा गुजरात के रहने वाले हैं। वह सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में साल 2018 से राजधानी बर्लिन में जॉब कर रहे हैं। 2021 में बेटी का जन्म हुआ। इसके बाद बिटिया के नाना-नानी भी अपनी नातिन से मिलने पहुंचे। एक दिन बच्ची के प्राइवेट पार्ट में किसी वजह से चोट लगी और खून बहने लगा। फिर धारा उसे स्थानीय अस्पताल ले गई। यहां डॉक्टर्स ने उनसे कहा कि बच्चों में इस तरह की चोट सामान्य है। फिर धारा बेटी को घर ले आईं। लेकिन दूसरे दिन भी बच्ची की ब्लीडिंग नहीं रुकी तो वह उसे फिर अस्पताल लेकर पहुंची। अस्पताल के स्टाफ ने चाइल्ड प्रोटेक्शन टीम को इसकी जानकारी दी। अफसरों को पहली नजर में यह यौन उत्पीड़न का मामना लगा तो उन्होंने उसे इसी डिपार्टमेंट के हवाले कर दिया।

डेटा की सुरक्षा करना सीमाओं की हिफाजत करने जैसा महत्वपूर्ण : सीतारमण

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के 65वें स्थापना दिवस समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि डेटा की सुरक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि सीमाओं की सुरक्षा करना। वित्त मंत्री ने सोमवार को राजधानी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राजस्व खुफिया निदेशालय के दो दिवसीय 65वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर किया। सीतारमण ने विज्ञान भवन के प्लेनरी हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए भारत में तस्करी रिपोर्ट 2021-22 का

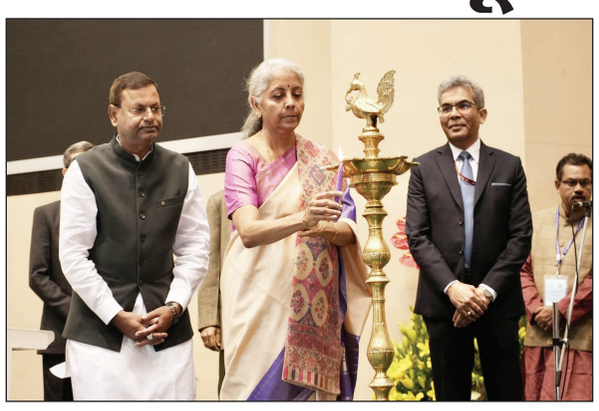

अनावरण भी किया, जो संगठित तस्करी के रुझान, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन संचालन और सहयोग का विश्लेषण करती है। सीतारमण ने राजस्व खुफिया अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि डेटा की सुरक्षा करना उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि सीमाओं की सुरक्षा करना। वित्त मंत्री ने वर्ष 2022 के लिए डीआरआई वीरता का पुरस्कार सुश्री मिशाल क्वीनी डी कोस्टा, उप निदेशक, डीआरआई और बिपुल बिस्वास, एसआईओ, डीआरआई को दो अलग-अलग नशीले पदार्थों के मामलों में संदिग्धों को पकड़ने में उनकी बहादुरी के अनुकरणीय कार्य के लिए प्रदान किया गया है। स अवसर पर सीतारमण के साथ वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा और केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष विवेक जौहरी भी मौजूद रहे।

8 लाख करोड़ रुपए हो जाएगी प्रवासी भारतीयों की कमाई

सिंगापुर: इस साल प्रवासी भारतीयों की विदेश से कमाकर भेजी जाने वाली राशि 8 लाख करोड़ रुपए पार कर जाएगी। वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस साल भारतीय प्रवासियों की कमाई में पिछले साल की तुलना में 12% की बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। जबकि साल 2021 में 2020 के मुकाबले यह बढ़ोतरी केवल 7.5% की हुई थी। विदेशों में जाकर कमाई करने और उसे अपने देश पैसा भेजने के मामले में भारत पहले नंबर है। पहले भी भारत इस मामले में पहले रैंक पर ही था।

थरूर को मिला एनसीपी में शामिल होने का ऑफर

नई दिल्ली: अक्टूबर में कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव के बाद से ही कांग्रेस सांसद शशि थरूर के पार्टी छोड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। वहीं ये भी बातें सामने आ रही हैं कि थरूर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि थरूर ने इन अटकलों से साफ इनकार कर दिया है। एनपसीपी केरल के अध्यक्ष पीसी चाको ने सोमवार को एक बयान दिया है, जिसमें वह कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस सांसद शशि थरूर एनसीपी में आते हैं तो हम उनका गर्मजोशी से स्वागत करेंगे। अगर कांग्रेस उन्हें पार्टी से बाहर भी कर देती है तो भी वह तिरुवनंतपुरम के सांसद बने रहेंगे। मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि कांग्रेस थरूर को नजरअंदाज क्यों कर रही है।

थरूर बोले- मैं एनसीपी में नहीं जा रहा हूं: थरूर ने पीसी चाको के इस बयान को खारिज करते हुए कहा कि मैं एनसीपी में नहीं जा रहा हूं। अगर मैं वहां जा रहा हूं तो मेरा स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन मैं एनसीपी में नहीं जा रहा हूं। पीसी चाको से इस मामले पर मेरी कोई चर्चा भी नहीं हुई है।

पार्टी नेताओं ने थरूर पर गुटबाजी का आरोप लगाया था: शशि थरूर कुछ दिन पहले ही केरल दौरे पर थे। यहां उन्होंने मलप्पुरम में कांग्रेस गठबंधन की प्रमुख सहयोगी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के नेताओं से मुलाकात की थी। इसके बाद से ही यह चर्चा शुरू हो गई थी कि पार्टी में थरूर अपना नया गुट खड़ा करना चाह रहे हैं। थरूर ने इन चर्चाओं पर विराम लगाने की कोशिश की थी और कहा था कि मुझसे किसी को डरने की जरूरत नहीं है। इसे लेकर विपक्ष के नेता और केरल कांग्रेस के सीनियर लीडर वी डी सतीशन ने साफ शब्दों में कहा था कि राज्य में किसी भी नेता को समानांतर गतिविधि की अनुमति नहीं है। अगर कोई ऐसा करने की कोशिश करता है तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा।

अध्यक्ष चुनाव के बाद से पार्टी से नाराज चल रहे थरूर: रिपोर्ट्स के मुताबिक कांग्रेस में अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद से कहा जा रहा है।

राजस्थान: घने जंगल और रेलवे फाटक बन रहे राहुल की परेशानी

झालावाड़: दक्षिण भारत से शुरू हुई कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अब राजस्थान में प्रवेश कर गई है। प्रदेश में यात्रा की शुरूआत भाजपा के गढ़ झालावाड़ से हुई है। यहां से यात्रा कोटा पहुंचेगी। लेकिन झालावाड़ से कोटा के बीच राहुल गांधी को जंगल की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। दरअसल, झालावाड़ से निकलने के बाद रास्ते में दरा क्षेत्र के आसपास के लगभग 10 किलोमीटर तक भारत जोड़ो यात्रा के यात्री पैदल नहीं चल पाएंगे। इस रास्ते से राहुल गांधी और अन्य यात्रियों को अपने कंटेनर और गाड़ियों से ही सफर तय करना होगा।

कांग्रेस के सभी खेमे एक साथ दिखे: सोमवार को भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत राजस्थान में भाजपा के गढ़ झालावाड़ जिले से शुरू हो गई। सुबह करीब 6 बजकर 11 मिनट पर झालावाड़ के काली तलाई से यात्रा शुरू हुई। काली तलाई से बाली बोरडा तक करीब 14 किलोमीटर के सफर के साथ यात्रा का पहला फेज पूरा हो गया। इस यात्रा में सीएम अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा साथ चले। यात्रा के पहले दिन कांग्रेस के सभी खेमे एक साथ दिखे। गहलोत-पायलट के समर्थक भी यात्रा में भाग ले रहे हैं। राजस्थान के स्थानीय कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भारत जोड़ो यात्रा का यह रूट मुंकदरा के घने जंगल से होकर गुजरता है।

सामान्य के दावेदारों को लगा झटका, अन्य पिछड़ा वर्ग महिला की झोली में गई सीट

दो दर्जन से अधिक उम्मीद्वार कर रहे थे आरक्षण सूची का इंतजार

अंतिम आरक्षण सूची जारी होने के बाद फिर शुरू हुआ चचाओं का दौर

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। मनमाफिक आरक्षण के इंतजार में बैठे दो दर्जन दिग्गजों का उस समय करारा झटका लगा, जब शासन की तरफ से जारी की गई नगर पंचायतों की आरक्षण सूची उनके मोबाइल में पहुंची।आरक्षण देखते हुए जहां कुछ लोगों के चेहरे पर खुशी झलकी तो कइयों के चेहरे पर उदासी साफ-साफ नजर आई। कुछ इसी तरह का माहौल यमुनापार के नगर पंचायत शंकरगढ़ में भी देखने को मिला। नगर पंचायत शंकरगढ़ से तकरीबन दो दर्जन दावेदार चेयरमैन पद के लिए अपना-अपना जुगाड़ भिड़ाए बैठे थे। अब तक के चले आ रहे आरक्षण के क्रम में लोगों को यह अनुमान था कि इस बार यहां की सीट सामान्य के खाते में डाली जा सकती है, लेकिन सोमवार को शासन की तरफ से जारी किए गए आरक्षण ने सभी की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नगर पंचायत शंकरगढ़ के अध्यक्ष पद की सीट अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित की गई है। चेयरमैन की कुर्सी अन्य पिछड़ा वर्ग के खाते में जाने की जानकारी होते ही दावेदारों की बेचैनी एक बार फिर से बढ़ गई है। लोग अब आगे की जुगत लगाने में जुट गए हैं। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित यह सीट कई मायनों में बेहद

अहम मानी जाती है। पिछली बार की तरह इस बार भी यहां सबसे अधिक चर्चा आरक्षण सूची पर हो रही है।

प्रयागराज जिले के यमुनापार में स्थित नगर पंचायत शंकरगढ़ की बात करें तो 5.12.1988 से साल 1990 तक कुंवर ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मुन्ना भैया ने नगर पंचायत की बागडोर संभाली। इसके पश्चात कुछ समय के लिए कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में सैयद औसाफ अली बतौर चेयरमैन दायित्वों का निर्वहन किया। वर्ष 1995 में आरक्षण की बयार बही और 1995 में नगर निकाय का चुनाव आरक्षण के दायरे में शामिल कर लिया गया। आरक्षण प्रक्रिया के पहले चरण में नगर पंचायत शंकरगढ़ की सीट अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व हुई। रिजर्वेशन लागू होने के बाद यहां से पहली दफा लल्लू कनौजिया चेयरमैन निर्वाचित हुए। इसके पश्चात वर्ष 2000 में यह सीट अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित हुई और इस चुनाव में लल्लू कनौजिया की पत्नी लीला कनौजिया ने बाजी मारी और अगले पांच साल तक अर्थात 2005 तक लीला कनौजिया ने चेयरमैन का पद संभाला। वर्ष 2006 में यह सीट सामान्य महिला के लिए आरक्षित की गई, जिसमें भाजपा की रेखा केसरवानी को जीत मिली और उन्होंने 2011 तक का कार्यकाल पूरा किया। जबकि 2012 में यहां की सीट पुनः पिछड़ी जाति की महिला के लिए सुरक्षित रखी गई और यहां से अनुपमा वैश्य विजयी हुईं और वर्ष 2017 में यहां की सीट अनुसूचित जाति के पाले में चली गई और चेयरमैन लल्लू कनौजिया फिर से चेयरमैन बने।

पिछले पांच पंचवर्षीय से यहां की सीट लगातार रिजर्व रहने के कारण इस बार लोगों को उम्मीद है कि इस बार यह सीट सामान्य सीट के खाते में आएगी। इसे लेकर अभी से कयासबाजी शुरू हो गई है। दावेदार भी अपनी तैयारी कर रहे हैं, यदि सीट सामान्य नहीं हुई तो भी किसे लड़ाना है और किसे जिताना, इस पर भी मंथन किया जा रहा है। मौजूदा समय में शंकरगढ़ से दावेदारों की बात करें तो यहां पर दो दर्जन दावेदार चुनावी मैदान में उतरने का मन बना चुके हैं। अब, बारी सिर्फ आरक्षण चार्ट के जारी होने की है।

कुछ ऐसा है नगर पंचायत के वार्डो का आरक्षण

नगर पंचायत शंकरगढ़ में कुल 12 वार्ड हैं। इसमें चिकान टोला को पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित किया गया है। इसी क्रम में चमरौटी टोला की सीट पिछड़ा वर्ग, गुड़िया तालाब को अनुसूचित जाति महिला, लाला का पुरवा को पिछड़ा वर्ग को दिया गया है। इसी तरह मोटियान टोला और धर्मनगर को अनुसूचित जाति के हवाले कर दिया गया है। जबकि मोदीनगर, पटेलनगर, सिंधी टोला और राजा कोठी की सीट अनारक्षित और हज्जी टोला और सदर बाजार को महिला के लिए रिजर्व किया गया है।

जर्जर विद्युत पोल से कभी भी हो सकता है हादसा

अखंड भारत संदेश

जारी। प्रयागराज जारी बाजार में स्थित बड़े हनुमान मंदिर के सामने लगा लोहे का विद्युत पोल का निचला हिस्सा जर्जर हो जाने के कारण कभी भी गिरने से दुर्घटना हो सकती है। जिसकी शिकायत संबंधित विद्युत विभाग से किए जाने के बाद भी आज तक पोल नहीं बदला गया।

ज्ञात हो कि जारी बाजार में राष्ट्रीय राजमार्ग रीवा के किनारे स्थित बड़े हनुमान जी मंदिर के सामने लोहे का विद्युत पोल लगाया गया है जिस पोल से 440 केवीए का विद्युत लाइन चलता है उक्त पोल 5 वर्ष पूर्व जब नेशनल हाईवे का निर्माण हो रहा था तो कंपनी द्वारा दिए गए टेंडर पर ठेकेदार द्वारा नया लगाया गया था। महज 5 वर्ष भी अभी नहीं बीता है की

उक्त विद्युत पोल का निचला हिस्सा जंग खाकर सड़ गया है । जिसका आंशिक हिस्सा बचा हुआ है जो कभी भी गिर सकता है और दुर्घटना हो सकती है।

इस आशय की जानकारी बाजार के लोगों ने संबंधित विद्युत विभाग को कई बार दी है परंतु आज तक उक्त विद्युत पोल का मरम्मत नहीं हो पाया हे। कस्बा के ही नीरज श्रीवास्तव विकास गुप्ता धर्मेंद्र के सरवानी कमलेश अग्रहरी नितेश गुप्ता अशोक अग्रहरि शरद गुप्ता आदि लोगों का कहना है कि जल्द ही विद्युत पोल नहीं बदला गया तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

जनता ने दिया मौका तो होगा कोरांव का विकास पूजा चतुवेर्दी

अखंड भारत संदेश

कोरांव। प्रयागराज जैसे जैसे नगर निकाय के चुनाव पास आ रहा है वैसे वैसे प्रत्याशियों के बीच चुनावी सरगर्मी बढ़ती जा रही है नगर पंचायत कोरांव की सीट सामान्य महिला होने पर सपा नेत्री पूजा चतुवेर्दी पत्नी पवन कुमार चौबे उर्फ राजू चौबे ने अपनी दावेदारी पेश करते हुए अपने आवास पर स्थानीय लोगों और सपा कार्यकताओं से वार्ता करते हुए कहा कि अगर समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व द्वारा हम पर भरोसा जताया जाता है तो निश्चित ही कोरांव की जनता के मतदान रूपी आशीर्वाद से जीत अवश्य मिलेगी।

इसी क्रम में महिला नेत्री ने कहा कि अब तक के नगर पंचायत कोरांव के जितने कार्यकाल हुए हैं वह विकास के नाम पर सिर्फ सरकारी धन का दुरुपयोग किए हैं और उसके साथ ही साथ अपनी जेबे भरने में मशगूल रहे हैं वर्तमान भाजपा चेयरमैन पर तंज कसते हुए कहा कि जिस तरह से नगर पंचायत अध्यक्ष कानूनी अड़चन के कारण कई माह से नगर पंचायत से नदारद है और उनकी अनुपस्थिति से नगर पंचायत का विकास कार्य पूर्ण रूप से ठप पड़ा हुआ है यह निंदनीय इस बार कोरांव की जनता ने परिवर्तन का पूरा इरादा कर लिया है।

एसडीएम ने रैन बसेरा का किया ओचक निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

कोरांव। प्रयागराज। उप जिला अधिकारी कोराव शुभम यादव ने रैन बसेरा कोराव का ओचक निरीक्षण किया। श्री यादव ने निरीक्षण में व्यवस्था का पूरा जायजा लिया और संबंधित को समुचित कार्यवाही का निर्देश दिया। एसडीएम इस समय ठंड से बचाव के लिए सरकार की ओर से यथोचित व्यवस्था का निरीक्षण कर मातहतों को व्यवस्था में कमी न रखे जाने की चेतावनियां भी दी।

नगरपंचायत चुनाव को लेकर जन अधिकार पार्टी अपने प्रत्याशी के समर्थन में निकाली बाइक रैली

अखंड भारत संदेश

सिरसा/प्रयागराज। मेजा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत सिरसा के होने वाले नगर पंचायत चुनाव के मद्देनजर आज जन अधिकार पार्टी द्वारा अपने प्रत्याशी कल्लू सोनकर के समर्थन में विशाल बाइक रैली निकाली गई। जानकारी के लिए बता दें कि इस समय प्रदेश में नगर निकाय व नगर पंचायत के चुनाव के मद्देनजर सभी दलों ने अपने-अपने पार्टी के समर्थकों के हित को ध्यान में रखते हुए उनके समर्थन में कई प्रयास किए जा रहे हैं। जिसको लेकर आज जन अधिकार पार्टी के प्रयागराज मंडल अध्यक्ष बबलू कुशवाहा के नेतृत्व में मेजा रोड से लेकर नगर पंचायत सिरसा के समस्त गलियों में बाइक रैली निकालते हुए लोगों को पार्टी का संदेश देने के साथ-साथ पार्टी के नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी कल्लू सोनकर के समर्थन में लोगों को एक संदेश देते हुए उनके समर्थन में वोट करने के लिए एक संदेश दिया इस दौरान बाइक रैली में उपस्थित संजीव कुमार संजीव कुमार सम्राट अर्जुन कुशवाहा सनी कुमार राहुल कुमार सुनील कुमार रत्नेश कुशवाहा नीरज कुशवाहा अवनीश कुशवाहा जय शंकर कुशवाहा अभय राज पासवान जिला अध्यक्ष फूलचंद वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बारा थाना क्षेत्र में हुआ एक्सीडेंट एक साइकिल सवार घायल

अखंड भारत संदेश

बारा। घटना बारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत घूर्मी गांव के पास तेज रफ्तार बाइक चालक ने साइकिल सवार को टक्कर मारी जिसमें साइकिल सवार राजेश बिंद निवासी असरवई का पैर फैक्चर हो गया। जिन्हें परिजनों के द्वारा 108 एंबुलेंस से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसरा लाया गया। लेकिन चिकित्सकों के द्वारा प्राथमिक उपचार करने के उपरांत जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जबकि अगर देखा जाए तो बाइक व ऑटो चालकों के द्वारा अक्सर देखा जाता है कि ये मोबाइल फोन पर बात करते हुए गाड़ियों को चला रहे हैं जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

विद्युत तार की चपेट में आने से फोटोग्राफर झुलसा हुई मौत

अखंड भारत संदेश

जंघई। सराय खेमपुर गांव में बीती रात करीब 9 बजे डीजे के ऊपर खड़े होकर वीडियोग्राफी करने के दौरान फोटोग्राफर का शरीर हाई वोल्टेज विद्युत तार में छूने से बुरी तरह झुलसने से मौके पर मौत हो गई घटना की जानकारी होते ही बारात में मातम छा गया। रविवार को को ग्राम सराय रैजोत घुरीपुर थाना मऊआइमा, प्रयागराज से दीपक मौर्य की बारात स्थानीय थाना क्षेत्र के सराय खेमपुर गांव निवासी राजकिशोर मौर्य की पुत्री सरिता देवी के यहां रात करीब 9 बजे पहुंची। जलपान के पश्चात जब द्वारचार के लिए बाराती डीजे बजाते नहर की पटरी से आगे बढ़े उसी दौरान थोड़ी दूर जाने के बाद फोटोग्राफर राजेंद्र उर्फ सागर पटेल उम्र 27 वर्ष ग्राम सराय रैजोत घुरीपुर थाना मऊआइमा, प्रयागराज का निवासी डीजे के ऊपर चढ़कर वीडियोग्राफी करने लगा। उसी दौरान उपर से गए हाई वोल्टेज विद्युत तार उसके गले में छू जाने से वह करेंट की चपेट मे आकर चिपक गया और झुलसने लगा जब तक लोग कुछ कर पाते मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसी के साथ ही दो तीन और डीजे सवार हल्का झुलस गए। घटना की जानकारी होते ही बारात में अफरा तफरी मच गई सभी घायलों को लेकर उनके परिचित अविलंब अपने घर रवाना होने से नाम नही मिल सका। इसकी जानकारी होते ही बाराती और घराती में मातम छा गया। सूचना पर मौके पर पहुंचे मुंगरा बादशाहपुर थाना प्रभारी रमेश यादव ने शव को कब्जे में लेकर मृतक के घर सूचना देते हुए पोस्टमार्टम के लिए रवाना करने की कार्यवाही में जुट गए। मौके पर पहुंचे परिजनों का जहां रो रो कर बुरा हाल था, वही देर रात सादे ढंग से विवाह संपन्न हुआ और भोर में ही लड़की की विदाई भी हुई। जहा गांव की बारात में घटना के चलते गांव में मातम छा गया वही मौत की जानकारी होते ही सागर पटेल के घर कोहराम मच गया।

तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर मौके पर युवक की मौत

अखंड भारत संदेश

मांडा। मेजा विधानसभा क्षेत्र में मिजार्पुर राजमार्ग पर दिघिया पुलिस चौकी के समीप अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जीजा बुरी तरह घायल हो गया। पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। शव कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। मिजार्पुर जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र के गंगावत (रमई पट्टी) निवासी सूरज माली 26 पुत्र बाल कुमार रविवार रात पल्सर बाइक से अपने जीजा बारा के लोहगरा निवासी जुगराज पुत्र नत्थू लाल माली को छोड़ने जा रहा था। इस दौरान प्रयागराज-मिजार्पुर राजमार्ग पर दिघिया पुलिस चौकी के समीप अज्ञात वाहन ने दोनों को जोरदार टक्कर मार दिया और फरार हो गया। वहीं हादसे में साला सूरज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जीजा जुगराज बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पर निरीक्षक सुभाष सिंह यादव, चौकी प्रभारी आशीष सिंह दलबल समेत घटनास्थल पहुंचें। पुलिस ने घायल जीजा को इलाज हेतु अस्पताल में दाखिल कराया। लेकिन हालात बेहद नाजुक देख डॉक्टरों ने जिला अस्पताल हेतु रेफर कर दिया। पुलिस ने स्वजनों को घटना की जानकारी दी है। बाइक पुलिस ने कब्जे में लेकर शव को पोस्टमॉर्टम हेतु भेज दिया है इंस्पेक्टर मांडा सुभाष सिंह यादव ने बताया कि स्वजनों की ओर से पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है। पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्वजनों को सूचना दी गई है। तहरीर मिलने पर अभियोग दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जाएंगी।

दबंग दलितों द्वारा एक परिवार को एस सी एस टी में फंसाने की दी जारही धमकी

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मऊआइमा में एक गांव में दलितों से एक परिवार तंग आ चुका है। छह माह से नाली पाटे हैं सफाई से रोक रहे हैं। औ? पेड काटकर गिरा दिए । जिससे परिवार की बाउंड्री को ध्वस्त करते हुए। आंगन में गिर पडा है। बोलने पर उल्टा एस सी एसटी एक्ट में फंसाने की धमकी दे रहे हैं। भुक्तभोगी ने मऊआइमा थाने में दलितों के जुल्म की तहरीर दी है।

मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मरखामऊ निवासी सुनील कुमार विश्वकर्मा पुत्र पन्नालाल का आरोप है कि उसके पडोस में निवास करने वाले दलितों ने नाली को पाट दिया है । जिससे नाली की सफाई छह माह से नहीं हो रही है। सुनील कुमार विशवकर्मा का आरोप है कि दबंग प्रवृत्ति के दलितों ने सफेदा का पेड किसी ठेकेदार के हाथ बेच दिए हैं। तथा पेड काट कर उसकी बाउंड्री को ध्वस्त कर दिए हैं। आरोप है कि बोलने पर गालियां दी गई और एस सी एसटी में फंसा कर जेल भेजने की उल्टा धमकी भी दे रहे हैं। सुनील कुमार ने मऊआइमा थाने में कतिपय दबंग दलितों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस मौके पर जा कर मुआइना करके चली आयी है। ग्राम प्रधान ने बताया कि वह जब नाली साफ करने के लिए सफाई कर्मचारियों को भेजते हैं तो दलित उनसे भी आमादा फसाद हो जाते हैं।

दो अलग अलग गांवों मार-पीट एस सी एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। दो अलग अलग गांवों में मार पीट एक में एस सी एसटी का जबकि दूसरे में मार पीट का मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम सुलेमपुर निवासी रामू सरोज पुत्र बेनी सरोज का आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर पडोसी उसे मारे पीटे और जाति सूचक गालियां दी। रामू सरोज ने मऊआइमा थाने में राम बाबू पटेल ,सुर्दशन पटेल ,दिलीप पटेल तीन अज्ञातों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट का मुकदमा दर्ज करा दिया है। उधर ग्राम कल्याणपुर निवासी कमल कुमार पुत्र आधा प्रसाद का आरोप है कि उसे अपने खेत में बुआई करने पर मारा पीटा गया। जान से मारने की धमकी दी गई। कमल कुमार ने राज कुमार पुत्र राम राज के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

मिशन शक्ति के तहत बच्चों को पुलिसकर्मियों ने किया जागरूक

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस प्रशासन द्वारा मऊआइमा के बांका जलालपुर स्थित के एल मौर्या पब्लिक स्कूल में छात्राओं को जागरूक किया गया।

मऊआइमा के बांका जलाल पर गांव स्थित के एल मौर्या पब्लिक स्कूल में मिशन शक्ति अभियान के तहत मऊआइमा पुलिस प्रशासन द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया । जिसमें उपनिरीक्षक संजय कुमार मौर्य, महिला कांस्टेबल वैशाली यादव, महिला कांस्टेबल पूजा पांडेय, कांस्टेबल राम करन, कांस्टेबल हिमांशू, कांस्टेबल सुधीर ने महिलाओं को सुरक्षा तथा उनके हकों से संबंधित कानून के बारे में जानकारी देकर उन्हें जागरूक

किया गया। इस मौके पर प्रधानाचार्य विनीत कुमार मौर्य, राकेश कुमार, अंजू, रेखा, बबीता, सुरेश कुमार, कन्हैया लाल, राकेश कुमार, दिलीप कुमार समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

अवैध पिस्टल से फायर करते युवकों का वीडियो वायरल

झूंसी। क्षेत्र के दो युवकों का अवैध पिस्टल से फायरिंग करते सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ है। वीडियो में दिख रहे युवक झूंसी थाना क्षेत्र के मलावा बुर्जुग के बताए जा रहे है। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। लगातार कार्यवाही के बाद भी लाइसेंसी असलहा के साथ-साथ अवैध पिस्टल व तमंचे से हवाई फायरिंग का सिलसिला नहीं थम रहा है। दो दिनों से झूंसी में एक वीडियो वायरल हो रहा है जोकि चर्चा का विषय बना है। बीडीओ में दिख रहे दो युवक हाथ में चमचमाती हुई पिस्टल लिए आपस में बात कर रहे हैं फिर एक युवक पिस्टल लोड कर फायर करता हैं। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस हरकत में और फायरिंग करने वाले युवकों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है कि वीडियो काफी पुरानी है युवकों की गिरफ्तारी के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा की वीडियो कब और कहा का है।

कब्रिस्तान में अवैध कब्जे पर प्रशासन का चला बुलडोजर

अखंड भारत संदेश

मऊआइमा। पुलिस प्रशासन व हल्का लेखपाल राम सागर की मौजूगी में कब्रिस्ताम से हटाया गया अतिक्रमण मऊआइमा। एडीजी और एसडीएम सोरांव के आदेश पर वर्षों से कब्रिस्तान पर अवैध कब्जा करने वालों की झोपड़ी बुलडोजर ने हटाया। और कब्जा करने वालो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तैयारी चल रही है।

मऊआइमा कस्बा के मोहल्ला मुस्तफाबाद में अबरार अहमद, मुस्ताक ,मुख्तार ,सरफराज ,दानिश , जुनैद ,रिजवान आदि की आबाई कब्रिस्तान आराजी संख्या 4207लगभग दो बीघा में आठ बिस्वा पर मोहल्ला मुस्तफाबाद के मोहम्मद रमजान उर्फ उर्फ गुड्डू पुत्र स्वर्गीय अब्दुल सत्तार तथा शमा परवीन आदि कब्रिस्तान पर अवैध कब्जा करके मडहा ,छप्पर ,बाउंड्री तथा पक्का मकान निर्माण कर लिए थे। जिसपर अबरार मुस्ताक आदि ने लगातार

इसकी शिकायत अधिकारियों से करते चले आ रहे हैं।

जिसपर लेखपाल राम सागर ने पैमाइश करके कब्रिस्तान पर अवैध कब्जा करने की रिपोर्ट डाक्टर कंचन एस डी एम सोरांव को दी। जिसपर एस डीएम कंचन ने अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया। बावजूद इसके भी अतिक्रमण न हटाने की शिकायत एडीजी से की गई थी। सोमवार को लेखपाल राम सागर ,इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ,सब इंस्पेक्टर संजय मौर्या और महिला कांस्टेबल सहित अन्य सिपाहियों की मौजूदगी बुलडोजर से कब्रिस्तान पर अवैध कब्जे को धवस्त कर दिया। तथा कब्रिस्तान में बने पक्के मकान को न्यायालय के आदेश के बाद ध्वस्त करने की बात लेखपाल ने बतायी। लेखपाल ने बताया कि आज कब्रिस्तान पर हुए अवैध कब्जे को हटाया गया है। अब अवैध कब्जा धारकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

धान क्रय केंद्रों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

जिलाधिकारी ने कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर नारीबारी के मार्केटिंग इस्पेक्टर से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का दिया निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने सोमवार को नारीबारी एवं जसरा में बनाये गये धान क्रय केन्द्र का निरीक्षण करते हुए मार्केटिंग इंस्पेक्टर एवं धान क्रय केन्द्र प्रभारियों को स्पष्ट रूप से हिदायत देते हुए कहा है कि किसानों को धान बेचने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। नारीबारी में खाद्य विभाग एवं पीसीएफ क्रय केन्द्रों पर धान खरीदे जाने की प्रगति के बारे में जानकारी प्राप्त की। धान क्रय केन्द्र पर उपस्थित किसानों से धान बेचे जाने में किसी भी प्रकार की परेशानी या समस्या होने की बात पूछे जाने पर कुछ किसानों के द्वारा धान बेचने हेतु टोकन जारी होने में विलम्ब की शिकायत किए जाने पर जिलाधिकारी ने नारीबारी धान क्रय केन्द्र की मार्केटिंग इस्पेक्टर स्वेता पाण्डेय से स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। उन्होंने वहां पर स्थित पीसीएफ क्रय केन्द्र पर किसानों के धान खरीद के भुगतान में विलम्ब होने पर केन्द्र प्रभारी को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि किसानों के धान खरीद का मूल्य निर्धारित समयसीमा में अनिवार्य रूप से उनके खाते में अंतरित हो जाना चाहिए, इसमें यदि किसी भी प्रकार की शिकायत पायी गयी, तो सम्बंधित केन्द्र प्रभारी के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को समय से टोकन मिल जाना चाहिए साथ ही साथ टोकन देते समय ही किसानों को उनके धान खरीद की तिथि भी निश्चित करते हुए उनको बता दिया जाये, जिससे कि किसानों को बार-बार धान क्रय केन्द्र पर न आना पड़े। जिलाधिकारी ने क्रय केन्द्रों पर धान खरीद से सम्बंधित रजिस्टर का अवलोकन किया साथ ही साथ उन्होंने रजिस्टर में उल्लिखित धान बेचने वाले किसानों से मोबाइल पर धान बेचने एवं मूल्य भुगतान की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने धान की डिलीवरी भी नियमित रूप से सुनिश्चित करते रहने के निर्देश दिए है। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने जसरा में बनाये गये खाद्य विभाग एवं एफसीआई के धान क्रय केन्द्र का भी निरीक्षण किया तथा वहां पर धान खरीद से सम्बंधित बनाये गये रजिस्टर का अवलोकन किया एवं धान खरीद की स्थिति एवं धान के मूल्य के भुगतान के बारे में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने डिप्टी आरएमओ को निर्देशित करते हुए कहा है कि किसानों के धान खरीद एवं उनके मूल्य के भुगतान में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने क्रय केन्द्र प्रभारियों को भी निर्देशित करते हुए कहा है कि यदि किसी भी धान क्रय केन्द्र पर धान बेचने एवं भुगतान में किसी भी प्रकार की शिकायत पायी गयी, तो सम्बंधित केन्द्र प्रभारी की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी साथ ही साथ सम्बंधित मार्केटिंग इस्पेक्टर की भी जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। इस अवसर पर डिप्टी आरएमओ सहित सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट में एसएसपी गोरखपुर और इंस्पेक्टर क्राइम ब्रांच पेश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गोरखपुर के पिपराइच थाना पुलिस की अभिरक्षा में मौत मामले में एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर व इंस्पेक्टर क्राइम ब्रांच विनोद अग्निहोत्री कोर्ट में हाजिर हुए। दोनों अधिकारियों ने हलफनामा दाखिल कर बताया कि प्रमोद कुमार उर्फ सोनू की अभिरक्षा में मौत मामले की न्यायिक जांच चल रही है। पुलिस के अनुरोध पर जिला जज ने एसीजेएम की न्यायिक जांच शुरू की है। इसके अलावा एसपी ने एसएचओ पिपराइच थाने के एसएचओ के खिलाफ विभागीय जांच अलग से शुरू की गई है। दोषी पाये जाने पर दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी।कोर्ट ने जानना चाहा कि अन्य जवाबदेह अधिकरियों को निलंबित क्यों नहीं किया गया। इसका जवाब नहीं मिल सका। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों की हाजिरी माफ करते हुए न्यायिक जांच की प्रगति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने याची की सशर्त जमानत मंजूर कर ली है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने विक्रम सिंह की जमानत अर्जी पर दिया है। कोर्ट ने कहा था कि नौ अगस्त 22 को मृतक के भाई की दर्ज एफआईआर में याची व गांव वालों पर चोरी के आरोप में उसके भाई को छह अगस्त को पीटने का आरोप लगाया गया है।

जिससे उसकी मौत होने की बात की गई है। दूसरी तरफ याची का कहना है कि सात अगस्त 22 को रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेशी के समय मृतक के शरीर पर चोट नहीं थी तो छह अगस्त 22 को गांव वालों के पीटने से उसे कैसे चोटे आईं। यह विरोधाभास कैसे हैं।मामले में याची ने पिपराइच थाने में एक एफ आई आर धारा 457, 380 भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज कराई। विवेचना के दौरान छह अगस्त 22 को पुलिस ने प्रमोद को गिरफ्तार किया। सात अगस्त को रिमांड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर सात अगस्त से 20 अगस्त की रिमांड ली।उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल नहीं भेजा गया। पुलिस अभिरक्षा में रखा गया। आठ अगस्त 22 को उसकी मौत हो गई। पोस्ट मार्टम रिपोर्ट में उसकी शरीर पर 10 चोटें पाईं गईं। इन्हीं चोटों के कारण मौत बताया गया है। पुलिस अभिरक्षा में मौत के बाद मृतक के भाई ने याची व गांव वालों के खिलाफ पिटाई करने से मौत का आरोप लगाया है। जिससे विरोधाभास की स्थिति स्पष्ट करने के लिए एसएसपी व विवेचना अधिकारी को हाजिर होने का निर्देश दिया गया है।

शंकरगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़े दो वारंटी

शंकरगढ़। यमुनापार के शंकरगढ़ थाने की पुलिस ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। दोनों का चालान भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि वारंटी छैल बिहारी सिंह पुत्र स्व. गजाधर सिंह पटेल (निवासी ग्राम चुंदवा, शंकरगढ़) और प्रभाकर शुक्ल पुत्र कृष्णकांत शुक्ल (निवासी नारीबारी, शंकरगढ़) को गिरफ्तार किया गया है।यह गिरफ्तारी सब इंस्पेक्टर ऋतुराज सिंह ने अपनी टीम के साथ की है। दोनों अभियुक्त हैं।

खेलकूद प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाया दम

अखंड भारत संदेश

झूंसी। छतनाग स्थित एमपी बिरला शिक्षा भवन का 35 वा स्थापना उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर वार्षिक खेलकूद समारोह का भी शुभारम्भ किया गया। इस दौरान रेड हाउस ब्लू हाउस के कैप्टन का चयन भी किया गया।

शिक्षा भवन की प्रबंधक नीलिमा वर्मा माँ सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं मशाल प्रज्वलित कर खेलकूद का शुभारंभ किया। जसके बाद विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। मेंढक दौड़ में नर्सरी के दीपांश प्रथम स्थान पर रहे तो वही कुर्सी दौड़ में कक्षा प्रेप की दिव्यांशी प्रथम आई, कक्षा 1 के अनुराग टॉफी दौड़ में प्रथम रहे। बड़े बच्चे 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ और 400 मीटर दौड़ में प्रतिभाग किया। खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान तालियां बजाकर शिक्षक बच्चों का उत्साहवर्धन कर रहे थे।

ओबीसी के लिए आरक्षित हुई प्रयागराज नगर निगम की सीट

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम महापौर की सीट अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित कर दी गई है। इसके बाद सभी दलों में पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों की खोजबीन शुरू हो गई है। मजबूत प्रत्याशी उतारने के लिए प्रत्येक दल मंथन में जुट गए हैं।नगर निगम चुनाव का बिगुल बज चुका है। शासन ने प्रयागराज नगर निगम की सीट को अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित कर दिया है। 2017 के चुनाव में यह सीट अनारक्षित की गई थी। भाजपा सहित सभी दल पिछड़ा वर्ग के मजबूत प्रत्याशी की खोज और मंथन में जुट गए हैं। इसमें सबसे प्रमुख रूप से मौजूदा महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी, प्रयागराज भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, पूर्व अध्यक्ष अवधेश चंद गुप्ता सहित कई लोग शामिल हैं। सीट सामान्य होने से सवर्ण बिरादरी के प्रत्याशियों को तगड़ा झटका लगा है।

सेंट पीटर्स को एजूकेशन इंग्लिश मीडियम स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन संपन्न

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। विकास खंड उरुवा के जनवार गांव स्थित सेंट पीटर्स को एजूकेशन इंग्लिश मीडियम स्कूल के प्रांगण में विद्यालय का वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का उद्घाटन पूर्व विधायक करछना आनंद कुमार पांडे उर्फ कलेक्टर पाण्डेय ,व प्रबंधक अभिषेक खेरा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मुख्य अतिथि कलेक्टर पांडे ने ने कहा कि मेरी शुभकामना यहां के बच्चों के साथ हमेशा रहेगी। उन्होंने कहा कि गुणवतापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में अनवरत प्रयास होते रहना चाहिए।उन्होंने कहा कि जिस तरह से इस विद्यालय के बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भाग लेते रहे हैं उससे यह साबित होता है कि यहां बच्चों के सर्वांगीण विकास का कार्य हो रहा है,उन?होंने कहा कि यहां आना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।यहां आने से यह पता चला कि इस सुदूर इलाके में भी इस कदर प्रतिभा छिपी है। बच्चों की प्रतिभा को देखकर काफी संतुष्टि हुई है। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपने हौसले को हमेशा मजबूत रखें। लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें। यदि मन में दृढ इच्छा शक्ति होगी तो सभी मुकाम आसानी से प्राप्त हो जाएगी। मौके पर स्कूल के प्रबंधक अभिषेक खेरा ने कहा कि 17 साल में इस विद्यालय ने जो मुकाम हासिल किया है उसमें यहां के शिक्षकों तथा अभिभावकों का बड़ा योगदान रहा है। स्कूल की प्रिंसिपल अंकिता खेरा ने कहा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास करना हमारा उद्देश्य रहा है जिसके कारण ही यहां के छात्र-छात्राएं कई बड़े प्रतियोगिता में भाग लेते रहे हैं। इस दौरान बच्चों के द्वारा एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए कार्यक्रम के अंत में स्कूल प्रबंधन के द्वारा आगंतुकों का आभार प्रकट किया गया।इस दौरान स्कूल की शिक्षक शिक्षिकाओं सहित छात्र छात्राओं के अभिभावक के साथ डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार, वरिष्ठ समाजसेवी आदि लोग उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार एक युवक की मौत ,एक घायल

अखंड भारत संदेश

घूरपुर। बाइक से बारात में शामिल होकर लौट रहे बाइक सवार दो युवकों को क्षेत्र के सारंगापुर बाजार में किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दिया । जिससे एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई वही एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को अस्पताल पहुंचाया । कौशाम्बी जनपद पिपरी थाना क्षेत्र के फतेहपुर,सहावपुर गांव निवासी नीरज पाल22 पुत्र स्व महेश पाल अपने साथी सोनू पाल 23 पुत्र स्व बैजनाथ निवासी असरावल थाना पिपरी के साथ लालापुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव में एक बारात में शामिल होने के लिए रविवार की रात गया था। बारात से दोनों रात्रि लगभग 11,30 बजे वापस घर के निकले थे कि अभी घूरपुर थाना क्षेत्र के सारंगापुर बाजार पहुंचे थे कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे दोनो बाइक सवार गिर गए । जिसमे नीरज पाल की मौके पर ही मौत हो गई और सोनू पाल गंभीर रूपसे घायल हो गया । मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल सोनू को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया और मृतक नीरज पाल के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । घटना की सूचना परिजनों को हुई तो कोहराम मच गया।

सेंट्रल जेल नैनी में बंदियों को तालीम देकर हुनरमंद बनाने की पहल

अखंड भारत संदेश

सेंट्रल नैनी जेल के 50 बंदियों के लिए शुरू हो रही है स्किल की ट्रेनिंग

नैनी। उत्तर प्रदेश की जेलों में बंदियों में तालीम के बाद अब हुनरमंद बनाने की पहल भी योगी सरकार ने की है। जिसके तहत प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल के बंदियों को काबिल बनाने के लिए सरकार की तरफ से प्रशिक्षण दिया जाएगा। उत्तर प्रदेश कौशल विकास योजना के तहत पहले चरण में 50 बंदियों को इसके लिए चयनित किया गया है। सरकार का प्रयास है कि बंदी जेल में ऐसे रचनात्मक कार्यों का हिस्सा बनें, जिसका फायदा उन्हें उनके भविष्य को बेहतर बनाने और सम्मानजनक जीवन जीने के काम आ सके। प्रयागराज की सेंट्रल नैनी जेल में निरुद्ध बन्दियो को प्रदेश सरकार शिक्षित करने के साथ अब काबिल बनाने का मौका भी दे रही है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास योजना के अंतर्गत इस जेल में निरूद्ध 50 बंदियों को कौशल विकास के स्किल कोर्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा । उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के प्रयागराज के जिला प्रबन्धक अंकित कुमार श्रीवास्तव बताते हैं कि इन सभी लाभार्थियों का चयन किया जा चुका है और दिसंबर के दूसरे सप्ताह से इन्हे शुरू भी कर दिया जाएगा। चयनित बंदियों में 25 महिला बंदी और 25 पुरुष बंदी शामिल है` इन्हें लॉजिस्टिक और अपैरल में ट्रेनिंग दी जाएगी । ये दोनों कोर्स 400 घंटे के होंगे । कोर्स पूरा होने के बाद इन बंदियों को कौशल विकास मंत्रालय की तरफ से प्रमाण पत्र भी दिए जायेंगे सरकार का प्रयास है कि बंदी जेल में रचनात्मक कार्यों का हिस्सा बनें और इसका फायदा उन्हें उनके भविष्य को बेहतर बनाने और सम्मानजनक जीवन जीने के काम आ सके। सेंट्रल नैनी जेल के वरिष्ठ जेल अधीक्षक शशि कान्त सिंह कहते हैं कि जेल से रिहाई के बाद इन बंदियों को रोजगार मिलना मुश्किल होता है। ऐसे में जेल से स्किल , स्वरोजगार की ट्रेनिंग और प्रमाणपत्र हासिल कर ये बंदी अपने और अपने परिवार के भरण पोषण के लिए किसी पर आश्रित नहीं रहेंगे बल्कि खुद अपना रोजगार भी शुरू कर सकते हैं इसके अतिरिक्त रिहाई के बाद अपने हुनर के माध्यम से ये बंदी समाज की मुख्य धारा में भी शामिल हो सकेंगे।

लापरवाही करने वाले अधिशासी अभियंता का रोका वेतन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में सोमवार को संगम सभागार में जिला पर्यावरण समिति, जिला वृक्षारोपण समिति एवं जिला गंगा सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पौधारोपण की समीक्षा करते हुए कहा कि अभी तक हुए पौधारोपण में से कितने का सत्यापन हो चुका है तथा जितने पौधों का सत्यापन अभी तक नहीं हुआ है, उनका सत्यापन कराते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने कार्यों में लापरवाही बरतने पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिशासी अभियंता का वेतन रोके जाने का निर्देश दिया है। ठोस अपशिष्ट एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट के निस्तारण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने नगर निगम एवं चिकित्सा विभाग की टीम को अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण हेतु संयुक्त रूप से कार्रवाई किए जाने का निर्देश दिया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रमुख सचिव गृह से सरकारी वकील की सक्षमता पर मांगा स्पष्टीकरण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज, विधि संवाददाता। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मांगी गई जानकारी उपलब्ध न कराने और सरकारी वकील द्वारा निराधार हलफनामा दाखिल करने पर नाराजगी जताई और प्रमुख सचिव गृह को 7 दिसंबर तक व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल कर शासकीय अधिवक्ता के आचरण व सरकारी वकील की अक्षमता का स्पष्टीकरण पेश करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने रोहित की जमानत अर्जी पर दिया है। कोर्ट ने सरकारी वकील को दो हफ्ते का दिया था समय : हाई कोर्ट ने 23 सितंबर को डीएनए जांच रिपोर्ट पेश करने के लिए सरकारी वकील को दो हफ्ते का समय दिया था। अनुपालन हलफनामा दाखिल किया गया। इसमें बताया गया कि विवेचना अधिकारी ने फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री से संपर्क किया था तो बताया गया कि उन्हें अभी तक शैंम्पल ही प्राप्त नहीं हुआ है।

कोर्ट ने कहा अपर शासकीय अधिवक्ता ने हलफनामा तैयार किया है। शासकीय अधिवक्ता कार्यालय से पत्र कब भेजा गया इसका कोई जिक्र नहीं है। कोर्ट ने कहा अक्सर देखा गया है कि जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश का पालन नहीं किया जाता और समय से मांगी गई जानकारी नहीं मिल पाती।जिस पर प्रमुख सचिव गृह से सफाई मांगी है। सुनवाई 7 दिसंबर को होगी। भोजपुरी फिल्म के निदेशक के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक : इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भोजपुरी फिल्म के निदेशक मिथिलेश निषाद के खिलाफ उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है।और चार सप्ताह में राज्य सरकार व विपक्षियों से जवाब मांगा है।

माघ मेले को पॉलिथीन मुक्त रखने को चलाया गया अभियान, स्वच्छता का संदेश देते रहे दुकान जी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम क्षेत्र मे लगने वाले माघमेला को मेला प्राधिकरण एव नगर निगम द्वारा पालिथिन मुक्त रखने के लिए एक अभियान चलाये जिससे पुरा माघमेला पालिथिन मुक्त रहे सभी देश भर से आने वाले भक्तों को दैनिक पेपरो चैनलों के माध्यम से ईसकी माघमेला मे आने वाले लोगों को जानकारी हो सके जिससे पूरा मेला छेत्र साफ स्वच्छ एव गंगा प्रदूषण से मुक्त रहे प्रयागराज के सभी संस्थाओं से भी निवेदन है कि वो भी अपने अपने माध्यम से लोगों तक अपनी आवाज पहुचाये की प्रयागराज का माघमेला पालिथिन मुक्त रहे सभी आने वाले सन्त महात्मा कल्पवासिय सासन प्रसासन अपने अपने पंडालो मे भड़ारा मे प्लास्टिक थमाकौल के बने ग्लास पत्तल कप थाली के स्थान पर कपडे के थैले कागज के कप ग्लास पत्तल या मिट्टी के कुल्हण का हि प्रयोग प्रयोग करे जिससे पूरा मेला छेत्र साफ स्वच्छ बना रहे सभी तिर्थपुरोहितो नाविकों को भी सुचित किया जाये आने वाले उनके शिविरो मे पूजा पाठ पिण्ड दान मे पूजनो के उपरांत बचे सामग्री को गंगा मे न डाल कर उसे जगह जगह पर पूजा डस्टबिन या कही गड्ढा कर उसमे डाले जिससे गंगा साफ स्वच्छ बनी रहे नाविक जो बिदेश से आने वाली पच्छियो को उनको दाना खिलाने वाले पालिथिन पैकेट के जगह कागज के ठोगे मे रख कर बेचे आने वाले भक्तों को भी पालिथिन मे सामग्रि को नाव पर न ले जा सके गंगा को प्रदूषण से बचाने के लिए नमामि गंगे राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के लिए जा रहे गंगा स्वच्छता अभियान के तहत उनके दिये गये निदेर्शों का पालन करे गंगा मे माला फूल हवन सामग्रि पुरानी भजनों की पुस्तके भगवान की खन्डीत मूर्ती भगवान की तस्वीरें न डाले वही दुकानजी घूम घूम कर लोगों से अपील कर रहे गंगा हमारी राष्ट्रीय नदी है हम सब ईसे प्रदूषण से बचाने के लिए संकल्प लें ।

बाबासाहेब की 67 वीं पुण्यतिथि पर बसपा का जिला स्तरीय श्रद्धांजलि का कार्यक्रम आज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। बहुजन समाज पार्टी जिला इकाई प्रयागराज के तत्वावधान में दलित शोषित पिछड़े अपल्पसंख्यक सर्वधर्म एवं सर्वसमाज के उत्थान के लिए भारतीय संविधान के शिल्पकार भारत रत्न परम पूज्य बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर जी का 67 वां परिनिर्वाण दिवस आज पूर्वाह्न 11 बजे से सरदार पटेल सेवा संस्थान अलोपीबाग (निकट चुंगी) प्रयागराज में जिला स्तरीय श्रद्धांजलि का कार्यक्रम होना सुनिश्चित हैं। बहुजन समाज पार्टी जिला मुख्य सेक्टर प्रभारी पूर्व राज्यमंत्रीघनश्याम चन्द्र खरवार बतौर मुख्य अतिथि, मुख्य सेक्टर प्रभारी जगन्नाथ पाल बतौर अध्यक्ष व मुख्य सेक्टर प्रभारी राजू गौतम व सतीश जाटव के साथ घनश्याम पटेल, गुलाब चमार आदि अपने विचार रखेंगे। प्रयागराज के समस्त सम्मानित मुख्य सेक्टर प्रभारी, जिला कमेटी, महानगर कमेटी, विधानसभा कमेटी के सभी पदाधिकारी, सेक्टर कमेटी, बूथ कमेटी, पूर्व पदाधिकारी, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, जिला पंचायत के सदस्य, नगर निगम के पार्षद, पूर्व जिलापंचायत सदस्य, पूर्व पार्षद चुनाव में भाग लेने वाले विधानसभा प्रभारी, पूर्व में चुनाव लड़े विधानसभा, लोकसभा प्रत्याशी, सभी स्तर के जनप्रतिनिधि बीवीएफ व बामसेफ के जिला व विधानसभा के पदाधिकारी व पार्टी के सहयोगी व शुभचिंतकों से विनम्र निवेदन है कि उक्त कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित होने की कृपा करें।

निमार्णाधीन परियोजनाओं के कार्यो की गुणवत्ता का नियमित करे अनुश्रवणः डीएम

जिलाधिकारी ने परियोजनाओं एवं कार्यो की किया समीक्षा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने विकास भवन के सभागार में शासन की विकास प्राथमिकता वाले 37 बिन्दुओं पर विकास कार्यो एवं 50 लाख रुपए से अधिक की लागत के कार्यो की समीक्षा करते हुये निर्देश दिया कि सभी विभाग अपने कार्यो में आपसी सामंजस्य बनाकर तेजी लाये। उन्होने अधिकारियों से कहा कि किये गये विकास कार्यो में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 जीएम शुक्ला, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 आर0सी0 शर्मा, जिला विकास अधिकारी ओम प्रकाश मिश्र, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजेश सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एवं मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना निदेशक डीआरडीए को निर्देशित किया कि अपूर्ण आवासों को जल्द से जल्द पूर्ण करायें। मनरेगा की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन ग्राम पंचायतों में मनरेगा की शिकायतें आ रही है सोशल आडिट के माध्यम से उसका निस्तारण कराया जाये। अमृत सरोवर की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि मानक के अनुरूप अमृत सरोवर का निर्माण कराया जाये एवं उनका सौन्दर्यीकरण भी किया जाये ताकि वह जन उपयोगी हो सके।

लोक निर्माण विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ताओं को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सड़कों को गढ्डामुक्त जल्द से जल्द करायें, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाये। वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत लगाये गये वृक्षों की जियो टैगिंग की समीक्षा के दौरान बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभी तक शत प्रतिशत जियो टैगिंग न कराये जाने पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देशित किया गया कि अवशेष जियो टैगिंग का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर लिया जाये। आंगनबाड़ी केन्द्रों निर्माण की समीक्षा करते हुये उन्होने निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से सम्पर्क कर विभागीय अधिकारी इनका निर्माण मानक के अनुरूप सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के क्रम में राजकीय पालीटेक्निक पट्टी की प्रगति पर असन्तोष व्यक्त करते हुये सम्बन्धित कार्यदायी संस्था के विरूद्ध नोटिस निर्गत करने का निर्देश दिया।

सदभावना क्रिकेट का आयोजन आज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की 67वीं पुण्यतिथि महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर पट्टी नगर स्थित स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मैदान में एक सद्भावना क्रिकेट मैच का आयोजन आज किया जा रहा है। जिसमे मीडिया एकादश तथा शिक्षक एकादश के बीच में मुकाबला होगा क्रिकेट मैच के आयोजन की तैयारियां सोमवार को पूरी कर ली गई। खिलाड़ियों के साथ दोनो टीमो के कप्तानों ने निरीक्षण किया उसके बाद निर्णय लिया गया कि दोपहर 11 बजे कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अखिलेश कुमार पांडे ने बताया कि यह सद्भावना पूर्ण मैत्री मैच होगा शिक्षक और पत्रकार दोनों ही समाज के सजग प्रहरी है। दोनों का समाज निर्माण की भूमिका में महत्वपूर्ण योगदान है।

भारत जोड़ो पदयात्रा को लेकर कांग्रेसियों ने बनाई रणनीति

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। आसन्न निकाय चुनावों, भारत जोड़ो पदयात्रा व प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में 11 से 22 दिसंबर 2022 की होने वाली पदयात्रा को लेकर आज जिला कांग्रेस कमेटी की एक आवश्यक बैठक इंदिरा भवन पर जिलाध्यक्ष डॉ0लालजी त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ0 लालजी त्रिपाठी ने उपस्थित कांग्रेसजनों को उक्त कार्यक्रम की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि 13 दिसंबर को प्रांतीय अध्यक्ष की पदयात्रा जनपद में रहेगी, इस हेतु सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूरी करनी है। जिलाध्यक्ष ने सभी लोगों से सुझाव लिए। बैठक में जो सुझाव आये उनपर भी मंथन किया गया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्र, उपाध्यक्ष डा0वी0के0सिंह, इरफान अली, डॉ0नीरज त्रिपाठी, वेदांत तिवारी, सरोज कश्यप, राम रतन तिवारी, रोहित शुक्ल, हरिश्चंद्र सरोज, श्याम शंकर तिवारी, अजीत प्रताप सिंह, आशुतोष तिवारी, राम लवट यादव, सुभाष तिवारी, विवेक पांडेय, राम यज्ञ चैरसिया, राजेन्द्र, हरिश्चन्द्र सरोज, मो0 दिलशाद सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

विधायक के करीबी पर छेड़खानी का मुकदमा दर्ज

प्रतापगढ़। नगर पंचायत गड़वारा से आगामी चुनाव में अध्यक्ष पद के लिये आवेदन करने वाले सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य के करीबी सुरेष प्रताप सिंह के खिलाफ नगर कोतवाली पुलिस ने मारपीट, छेड़खानी सहित गंभीर धारा में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने सुरेष के साथ दो नामजद सहित 15 अज्ञात को भी मुकदमे में शामिल किया है। बता दें कि नगर कोतवाली क्षेत्र के सोनावां गांव निवासी राम सिंह यादव की शिकायत पर रविवार को पुलिस ने चिलबिला कोट के रहने वाले सदर विधायक के करीबी सुरेष प्रताप सिंह पर मुकदमा दर्ज किया है।

पर्यावरण संरक्षण की अलख जगा रहे है युवा दिनेश

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। वृक्ष ही धरती के गहने कहे जाते है। धरती पर जितने पेड़-पौधे होंगे वह उतनी ही खूबसूरत दिखेगी, उसके साथ ही धरती के सभी प्राणियों का जीवन भी सुरक्षित रहेगा। आज के परिवेश में पेड़ो की कटान पर रोक न लग पाने के साथ ही विभिन्न प्रकार के प्रदूषण से लोग संक्रमित हो रहे है। इनसे बचना है तो पेड़-पौधो को संरक्षित करना ही पड़ेगा।

यही सोचकर प्रकृति संरक्षण के लिए लोगो के बीच पहुंच कर उन्हे जागृत कर रहे उदयपुर क्षेत्र के वेवली के रहने वाले युवा दिनेश सिंह को प्रकृति से अगाध प्रेम है। वह पांच वर्षो में तीन सौ से अधिक पौधो को रोपित कर चुके है, जिसमें आम के पेड़ अधिक है। शेष नीम, पीपल, बरगद के पेड़ भी शामिल है। बाग खूबसूरत दिखे इसके लिए पंक्ति बद्ध देशी गुलाब के पौधों को भी रोपित किया है। यही नहीं वह कहीं भी जाते है तो जहां भी उन्हें नदी व नाले दिखाई देते है तो उसके

नदियों के किनारे लगा चुके है तीन सौ से अधिक पौधे

गांव में वृक्ष लगाते दिनेश सिंह।

किनारे पीपल व बरगद के पेड़ों को रोपित कर देते है। वह लोगो के बीच पहुंच कर फलदार वृक्ष के साथ ही नीम,पीपल व बरगद के पौधो को लगाने के लिए प्रेरित करते है। पेड़-पौधों से ही पर्यावरण को सुरक्षित किया जा सकता है। दिनेश सिंह ने बातचीत के दौरान कहा की अपने लिए तो सभी लोग जीते है। जो सबके लिए कुछ करे वही इंसान की सही परिभाषा है। पौधे जब बड़े होकर वृक्ष बनेंगे तो वह धरती के सभी प्राणियों को बिना भेद-भाव के ही निस्वार्थ सेवा प्रदान करेंगे, ठीक उसी प्रकार मनुष्य को भी हमेशा अपनो के साथ ही दूसरो की भी फिक्र करनी चाहिए। धरती हरी-भरी दिखे यही उनके जीवन का उद्देश्य है।

सीआरपीएफ की टीम ने की साफ-सफाई

प्रतापगढ़। ग्रुप केन्द्र सीआरपीएफ त्रिसुण्डी के डीआईजी राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान कैम्प परिसर के आवासों, जवानों की लाइनें एवं आसपास के क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया गया। इसी दौरान बेल्हा देवी मंदिर परिसर के अगल-बगल भी साफ-सफाई की गई। इस मौके पर अभिषेक मिश्रा, सहा0 कमा0 सुमित कुमार, उप कमाण्डेट ग्रुप केन्द्र के अधिकारी एवं जवान शामिल रहे।

किशोरी का अपहरण, अज्ञात के खिलाफ केस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने किशोरी के अपहरण को लेकर अज्ञात के खिलाफ रविवार की रात केस दर्ज किया है। कोतवाली के पडरी निवासी दर्शन के पुत्र नन्हेंलाल सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती तीन नवंबर को शाम साढे छः बजे उसकी सत्रह वर्षीया पुत्री प्रतीक्षा शौच को गयी थी। देर शाम तक पुत्री घर वापस नही लौटी तो परेशान परिजनो ने उसकी खोजबीन की। तहरीर मे कहा गया है कि अज्ञात द्वारा किशोरी का अपहरण कर लिया गया है। पीडित पिता ने बेटी के साथ अनहोनी की भी आशंका जतायी है।

जनता का सहयोग मिला तो विस्तारित क्षेत्रों में होगा पूर्ण विकासः प्रेमलता सिंह

नगर पालिका की 35 लाख की सड़क का हुआ शिलान्यास

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पालिका द्वारा विस्तारित क्षेत्र षिवजीपुरम में 35 लाख की लागत से बनने वाली इंटरलाकिंग सड़क व नाली का षिलान्यास करते हुए नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह ने कहा कि विस्तारित क्षेत्रों के विकास की रुपरेखा तैयार है। जैसे ही कोई धन मिलता है, विस्तारित क्षेत्रों में लगाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि जनता का सहयोग मिला तो यह क्षेत्र बिजली, पानी प्रकाष, पार्क, सड़क, नाली आदि से परिपूर्ण होगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक हरिप्रताप सिंह ने कहा कि शहर की तरह विस्तारित क्षेत्र भी जल्दी ही विकसित हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि विकास सतत प्रक्रिया है लेकिन कुछ विकास ऐसे होते हैं जो इतिहास बनाते हैं। 1995 में नगर पालिका की स्थिति व आज की स्थिति में शहर में बहुत फर्क आया है। इसे लोग अच्छी तरह से जानते हैं। शहर में बिजली पानी, सड़क, नाली, पार्क की जो भी सुविधा शहरवासियों को मिल रही है, वह विस्तारित क्षेत्रों में भी मुहैया कराई जाएगी। कार्यक्रम का संचालन कर रहे ज्वाला सिंह ने बताया कि नगर सृजन योजना के तहत पूरे नरसिंह करनपुर करमचंदा वार्ड में देवेन्द्र ओझा के घर से उमाकांत तिवारी के घर होते हुए 500 मीटर इंटर लाकिंग सड़क बनाई जाएगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिरीष चंद्र मिश्र ने किया। इस अवसर पर भाजपा नेता गोकुल नाथ श्रीवास्तव, नामित सभासद गायत्री शुक्ला, मनमोहन सिंह, केसी सिंह, रमाकांत पाण्डेय, नगर पालिका के मिथिलेष सिंह, अनिल शुक्ला, ओम प्रकाश शुक्ल व सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पड़ोसियों ने महिला को पीट कर किया जख्मी

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। नाली के विवाद को लेकर पड़ोसियों ने एक महिला को जमकर मारा पीटा। पीड़ित महिला पट्टी कोतवाली में आरोपियों के विरुद्ध शिकायत पत्र दिया है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के ढींढुई गांव की रहने वाले दिलजहां बानो पत्नी मोहम्मद आजाद ने बताया कि शनिवार को उसके घर की तरफ आ रही नाली को बंद करके उसके पड़ोसी चार लोगों ने बांस लगा दिया। जब उसने इसका विरोध किया तो सभी लोग लाठी डंडा लेकर उसे मारने पीटने लगे जान बचाने के लिए वह घर में भागी तो घर में घुसकर मुल्जिमानों ने उसे पीटकर जख्मी कर दिया, तथा जान से मारने की धमकी दी पीड़ित दिलजहां बानो ने पट्टी कोतवाली में पहुंचकर आरोपियों के विरुद्ध शिकायती पत्र दिया है।

कृषि विज्ञान केन्द्र में मनाया गया विश्व मृदा दिवस

किसानों को दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कृषि विज्ञान केन्द्र ऐंठू अवधेशपुरम कालाकॉकर में विश्व मृदा दिवस सोमवार को मनाया गया जिसका मुख्य विषय मृदा रू जहां से भोजन की शुरूआत होती है है। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 ए0के0 श्रीवास्तव, वैज्ञानिकगण तथा छात्र-छात्रा उपस्थित रहे जिसमे 73 किसान इस महत्वपूर्ण दिवस मे सहभागिता की। इस अवसर पर एक किसान गोष्ठी का भी आयोजन किया गया जिसमें किसानों को मिट्टी को जीवित रखने तथा मिट्टी की जैव विविधता की रक्षा करने के उपाय बताये गये वही किसानों की समस्या का समाधान वैज्ञानिकों द्वारा किया गया। डा0 ए0के0 श्रीवास्तव ने ह्मृदा, जहां से भोजन शुरू होता हैह्म इस तथ्य पर जोर दिया साथ ही बताया कि मिट्टी में खनिज, जीव

विष्व मृदा दिवस पर मौजूद अधिकारीगण व किसानगण।

और जैविक घटक होते हैं जो मनुष्यों और जानवरों को भोजन प्रदान करते हैं। अगर उनकी गुणवत्ता और बचाव पर ध्यान नहीं दिया गया तो पूरे विश्व के लिए खतरा पैद हो सकता है। डा0 नवीन कुमार सिह ने घरेलू अवशेष को पोषण वाटिका में प्रयोग कर वर्ष भर सब्जी उत्पादन करने पर जोर दिया तथा फसल अवशेष प्रबन्धन के द्वारा भूमि की उर्वरा को बनाये रखने के लिए सुझाव दिया। डा0 अमित बरनवाल ने पशुपालन पर जोर देते हुए बताया कि खेती में उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य बनाये रखने व अतिरिक्त आमदनी के लिए पशुपालन जरूरी है। डा0 यतेन्द्र कुमार ने भी अपने विचार रखे। प्रसार वैज्ञानिक डा0 अवधेश कुमार सिंह ने स्वस्थ मृदा लिए वर्मी कम्पोस्ट की उपयोगिता एवं प्रयोग के तरीके बताये साथ ही कार्यक्रम का संचालन किया तथा आये हुए किसानों व अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डा0 ए0के0 श्रीवास्तव, डा0 नवीन सिंह, भाष्कर शुक्ला, डा0 अवधेश सिंह, डा0 अमित बरनवाल, महेन्द्र प्रताप सिंह, प्रदीप कुमार सिंह, डा0 रणजीत सिंह, विनोद चैरसिया, जुगुल किशोर तिवारी, रविशंकर, जी0 आर0 पटेल तथा छात्र सहित किसान उपस्थि रहे।

जरूरतमंद को न्याय दिलाने मे अधिवक्ताओं से सकारात्मक योगदान पर दिया गया जोर

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय दीवानी न्यायालय सभागार में सोमवार को बार एवं बेंच के बीच समन्वय की मजबूती को लेकर बैठक मे विचारविमर्श किया गया। सिविल जज जूनियर डिवीजन कुंवर दिव्यदर्शी ने बैठक मे अधिवक्ताओं से कहा कि त्वरित न्याय को दिलाने के लिए वह वादकारियो के प्रति अपने दायित्वो के निर्वहन में सकारात्मक योगदान जारी रखे। उन्होने बैठक मे लोक अदालतो की भी गरीब व संसाधनविहीन पीडित को त्वरित न्याय दिलाने मे महत्तवता पर प्रकाश डाला। बैठक की अध्यक्षता करते हुए संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल त्रिपाठी महेश ने सिविल जज को अधिवक्ताओं की विभिन्न समस्याओ से अवगत कराया। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शहजाद अंसारी ने किया। इस मौके पर पवन पाण्डेय, रमेश पाण्डेय, आशुतोष सिंह, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, विपिन शुक्ल, आरबी सिंह, जान्हवी प्रताप सिंह, इरफान, संजय ओझा, जितेन्द्र सिंह, राजेश यादव, बद्रीविशाल पुष्पाकर, विभूति शुक्ला आदि अधिवक्ता रहे।

किशोरी ने फांसी का फंदा लगाकर दी जान

मैजिक चालक की इलाज के दौरन हुई मौत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। डेरवा क्षेत्र के विकरा गांव निवासी इंटरमीडिएट की छात्रा दीपाली उम्र (16) वर्ष पुत्री शिव मूरत गुप्ता ने बीती रात को कमरे में दुपट्टे के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। सुबह जब देर लगभग 9 बजे तक बेटी ने दरवाजा नहीं खोला तो मां मीना गुप्ता ने खिड़की से झांक कर देखा तो फांसी के फंदे पर झूल रही थी जिसकी सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। मृतका के पिता मुंबई में फल की दुकान चलाते हैं दीपाली दो भाई दो बहनों में सबसे छोटी थी सबसे बड़ा भाई शुभम उम्र (22) वर्ष फिर शिवम उम्र (20) वर्ष जो कि अपने पिता के साथ मुंबई में ही रहता है तीसरे नंबर पर उसकी बड़ी बहन निकिता उम्र (18) वर्ष है मौके पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में जेठवारा इंस्पेक्टर अभिषेक सिरोही ने कहा कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

उधर महेशगंज थाना क्षेत्र के लाला का पुरवा (छोटी नहर) के पास डेरवा निवासी मैजिक टाला चालक सागर श्रीवास्तव (17) वर्ष पुत्र बीरेन्द्र श्रीवास्तव (दर्जी) जो रात्रि में भाड़ा लेकर कुण्डा की ओर गया था और सुबह के करीब तीन बजे जल्दबाजी में जगदीश पुर सब्जी मंण्डी आलू लादने हेतु लौट रहा था तो नींद की झपकी आने के कारण लाला का पुरवा छोटी नहर के पास पेड़ से टकराकर गम्भीर रूप से घायल हो गया था जहा उसे 112 नम्बर पुलिस के सहयोग से ऐम्बूलेंस द्वारा इलाज के लिए भेजा गया था। हालत अधिक खराब होने के कारण जिला मुख्यालय प्रतापगढ़ से स्वरूप रानी हास्पिटल प्रयागराज रिफर कर दिया गया था बाद में परिजनों ने सागर श्रीवास्तव को स्वरूपरानी हास्पिटल से अंकुर हास्पिटल प्रयागराज ले कर गए, जहां इलाज के दौरान आज मध्य रात्रि लगभग डेढ़ बजे सागर श्रीवास्तव की मृत्यु हो गई। शव घर पहुंचने पर परिजनो का रो रो कर हाल बेहाल है।

सीआरपीएफ में तैनात रोशनी सिंह की स्मृति को प्रमोद तिवारी ने किया नमन

रोशनी सिंह के निधन पर श्रद्धाजलि अर्पित करते राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने सोमवार को उदयपुर क्षेत्र के कुम्भीआइमा के इसरी का पुरवा पहुंचकर सीआरपीएफ मे तैनात रोशनी सिंह के हाल ही मे इक्कीस नवंबर को डयूटी पर तैनाती के दौरान आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री तिवारी ने दिवंगत रोशनी के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा की मजबूती मे रोशनी के अदम्य साहस की भी सराहना की।

उन्होने रोशनी सिंह की स्मृति मे गांव मे क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना की ओर से रोशनी सिंह के नाम पर प्रवेश द्वार भी निर्मित कराए जाने की घोषणा की। श्री तिवारी ने कहा कि रामपुर

विधायक मोना की ओर से गांव में प्रवेश द्वार बनवाए जाने की सांसद ने की घोषणा

खास की एक साहसी बेटी के रूप में रोशनी सिंह का सीआरपीएफ सेवा मे दिया गया योगदान क्षेत्र की बेटियों के रक्षा क्षेत्र मे भी अदम्य साहस की मिशाल है। वहीं परिजनो ने सांसद प्रमोद तिवारी को बताया कि इसी सात दिसंबर को रोशनी की शादी होने वाली थी। पिता अनिल सिंह लल्लन रोशनी की शादी की तैयारियों व परिवार की खुशियों के अचानक मातम मे बदल जाने की बात कहते प्रमोद तिवारी से लिपटकर फफक पड़े। रोशनी की स्मृतियों मे गांव मे भावुक माहौल के बीच प्रमोद तिवारी की भी आंखे भर आयी दिखी। वहीं राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी के द्वारा रोशनी सिंह की सेवाओं के सम्मान मे गांव मे प्रवेश द्वार बनवाये जाने की घोषणा को लेकर लोगों को रोमांचित भी देखा गया। इस मौके पर चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल, केडी मिश्र, प्रतिनिधि आशीष उपाध्याय, सांगीपुर प्रमुख अशोक सिंह बबलू, डा. अमिताभ शुक्ल, प्रभात ओझा, त्रिभु तिवारी, छोटे लाल सरोज, अशोकधर द्विवेदी, सुधाकर पाण्डेय, रामबोध शुक्ल, दगपाल यादव, पवन शुक्ल, गुडडू सिंह, मुरलीधर तिवारी, सर्वेश मिश्र, अनिल पाण्डेय, जमुना तिवारी, पं. गिरीश मिश्र, सौरभ शास्त्री, पिंटू पाण्डेय, मुरलीधर तिवारी आदि रहे।

दिव्यांगजन गौरव सम्मान से नवाजे गए रोशनलाल उमरवैश्य

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन स्वाभिमान समारोह में स्वराज दिव्यांग जन सेवा परिवार द्वारा श्री नकलंक धाम हरिद्वार उत्तराखंड में दिव्यांगजन कल्याण एवं अकूत सेवा कार्यो के लिए पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती जी तथा इंडोनेशिया से पधारे इंदिरा उदयन से दिव्यांगजन गौरव सम्मान से रोशनलाल उमरवैश्य अलंकृत हुए।

गौरतलब है कि इस अनूठे समारोह में दिव्यांगों के कल्याण में समर्पित राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि उपस्थित थे। ष्दिव्यांगजन गौरव सम्मानष पाने वाले रोशनलाल उमरवैश्य उत्तर प्रदेश में दिव्यांगों के सेवा कार्य के साथ-साथ बहुआयामी समाज सेवा के लिए चयनित हुए थे।

सम्मान पत्र में एलायंस क्लब इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय डायरेक्टर रोशनलाल उमरवैश्य का चित्र प्रकाशित करते हुए विशाल सेवा कार्यों का वर्णन किया गया है। उक्त सम्मान के विषय में जैसे ही प्रतापगढ़ के प्रबुद्धजनों ने सुना सूजना कुटीर अजीत नगर में एक बैठक करके प्रतापगढ़ तथा उत्तर प्रदेश का गौरव बढ़ाने के लिए रोशनलाल उमरवैश्य को बधाई दी।

स्मृति चिन्ह देते अतिथिगण।

बैठक में साहित्यकार डॉ दयाराम मौर्य श्रवश, आनंद मोहन ओझा, राजीव कुमार आर्य, प्रेम कुमार त्रिपाठी, श्रीनाथ मौर्य, अनिल कुमार निलय, कुंज बिहारी लाल मौर्य, राधेश्याम दीवाना, अमरनाथ गुप्ता, संतोष कुमार, छेदीलाल, देवानंद, विवेक कुमार इत्यादि उपस्थित रहे।

उमापुर वार्ड को अनारक्षित घोषित करने पर डीएम को दी आपत्ति

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज नगर पंचायत के उमापुर वार्ड संख्या अठारह के निवासी दयानंद वर्मा ने डीएम को दिये गये शिकायती पत्र में कहा है कि सीमा विस्तार के तहत उमापुर मे नव सृजित वार्ड का गठन किया गया है। नगर पंचायत के निर्वाचन 2022 के लिए आरक्षण सूची मे उक्त वार्ड को अनारक्षित घोषित किया गया है। शिकायतकर्ता ने आपत्ति में वार्ड मे पिछडी जाति के सत्तर प्रतिशत जनसंख्या की बाहुल्यता दशार्ते हुए रैपिड सर्वे के आंकड़ो के आधार पर उमापुर को आरक्षित घोषित किये जाने की मांग उठाई है।

परमराज गौतम बने वरिष्ठ उपाध्यक्ष, साथियों ने दी बधाई

वरिष्ठ उपाध्यक्ष का स्वागत करते कर्मचारीगण।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मिनिस्ट्रियल एसोसिएषन ईरीगेषन उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष रामलाल यादव व प्रांतीय महामंत्री मयंक कुमार सिंह द्वारा परमराज गौतम को जनपद शाखा का वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया जिसको लेकर कर्मचारियों ने खुशी जताई। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष वकील अहमद ने कहा कि क्रांतिकारी साथी के संघ में जिम्मेदारी मिलने पर निष्चित रुप से संघ मजबूत होगा। इस दौरान परमराज गौतम ने साथियों का आभार जताया। इस मौके पर वीरेन्द्र कुमार शर्मा, राम प्रकाष, मो0 अकरम अंसारी, बच्चूलाल, चंद्र प्रकाश दुबे, संजीव श्रीवास्तव, मो0 शमीम, महेन्द्र कुमार तिवारी, सतीष श्रीवास्तव, हरिशंकर पाण्डेय, करुणा सिंह आदि मौजूद रहे।

प्राथमिकता पर हो उद्यमियों की समस्याओं का निस्तारणः डीएम

जिलाधिकारी ने की जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक

बैठक को संबोधित करते डीएम साथ में मौजूद सीडीओ और एडीएम व बैठक में उपस्थित व्यापारी और उद्यमी।

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने जिला उद्योग बन्धु समिति की बैठक के दौरान उद्यमियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दियें।बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि निवेश मित्र पोर्टल पर विगत एक माह में कुल 958 प्रकरण प्राप्त हुए है, जिसमें से 21 प्रकरण विभिन्न विभागों के स्तर पर लम्बित है, जिसमें से खाद्य एवं औषधि विभाग के-06, प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के-07, कृषि विभाग के-07 एवं अग्निशमन विभाग के-01 सम्मिलित हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने सभी सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर प्रकरण को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिये। बैठक में उपायुक्त उद्योग ने बताया कि पी0एम0ई0जी0पी0 योजना के तहत 58 लक्ष्य के सापेक्ष अब तक 59 आवेदन बैंको द्वारा स्वीकृत हो चुके है। इसी प्रकार एम0वाई0एस0वाई0 योजना के तहत 57 लक्ष्य के सापेक्ष 59 तथा ओडी0ओ0पी0 योजनान्तर्गत 32 लक्ष्य के सापेक्ष 17 आवेदन बैंको द्वारा स्वीकृत हो चुके हैं, जिस पर जिलाधिकारी ने अग्रिम आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

बैठक में उपायुक्त उद्योग ने नये औद्योगिक क्षेत्र-गौसपुर टिकरी एवं भेलखा में विकसित किये जाने के सम्बन्ध में अब तक की गई।

कार्यवाही की जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी यू0पी0सीडा, कानपुर एवं क्षेत्रीय प्रबन्धक यू0पी0सीडा, प्रयागराज को भूमि अधिग्रहण के सम्बन्ध में पत्र प्रेषित कर दिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दियें। जिलाधिकारी ने जनपद से निर्यात के सम्बन्ध में विचार-विमर्श के दौरान उपायुक्त उद्योग से कहा कि जनपद के व्यापारियों से वार्ता कर इच्छुक व्यापारियों की इकाईयों का पंजीकरण कराकर निर्यात को और अधिक बढ़ाया जाय उन्होंने एल0डी0एम0 को विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न बैंको के स्तर पर लम्बित सभी ऋण आवेदनों को शीघ्र निस्तारित कराने के निर्देश दियें इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं अपर जिलाधिकरी जयचन्द्र पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण एवं उद्यमीगण उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने की व्यापार बन्धु समिति की बैठक

मण्डी समिति परिसर में धर्मकांटा लगवाने के लिए उप निदेशक मण्डी परिषद प्रयागराज को डीएम ने भेजा पत्र

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी जिलाधिकारी सुजीत कुमार की अध्यक्षता में उदयन सभागार में जनपद स्तरीय व्यापार बन्धु समिति की बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने व्यापारियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारित करने के निर्देश दियें। बैठक में नगर पंचायत पूरब-पश्चिम शरीरा के उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल द्वारा अवगत कराया गया कि अस्थायी तौर पर दुकानें खोलने वालों के लिए स्थान चिन्हित कर स्थायी निर्माण कराकर दुकाने खोली जाय तथा मासिक शुल्क वसूल किया जाय, जिस पर जिलाधिकारी ने ई0ओ0 को उप जिलाधिकारी एवं सी0ओ0 के साथ व्यापार मण्डल के प्रतिनिधियों की बैठक कराकर उपयुक्त स्थान चिन्हित कर समस्या को शीध्र निस्तारित कराने के निर्देश दियें। बैठक में बताया गया कि थाना पश्चिम शरीरा के बगल में लगे ट्रान्सफार्मर में पूर्व में कई बार आग लग गई है, जिससे व्यापारियों व राहगीरों को जान-माल का खतरा बना रहता है, जिस पर अधिशासी अभियंता विद्युत ने बताया कि कार्ययोजना बनाकर शीघ्र ही ट्रान्सफार्मकर को स्थानान्तरित कर दिया जायेंगा।

जिलाधिकारी ने ई0ओ0 सिराथू को सिराथू बाजार में मंझनपुर रोड पर सरकारी गेस्ट हाउस के बाहर बनकर तैयार 10 दुकानों को नियमानुसार शीघ्र ही आवंटित कराने के निर्देश दियें।

उन्होंने ई0ओ0 को व्यापारियों के अनुरोध पर देवीगंज बाजार में नाली के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने तथा निर्माण कार्य पूर्ण होने तक वैकल्पिक व्यवस्था कर जल निकासी सुनिश्चित कराने के निर्देश दियें। बैठक में व्यापारियों द्वारा मण्डी समिति परिसर में तौल के लिए धर्मकांटा लगवाने की मांग पर बताया गया कि उप निदेशक मण्डी परिषद, प्रयागराज को पत्र प्रेषित कर दिया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने सचिव मण्डी को प्रभावी पैरवी कर शीघ्र ही धर्मकाटां लगवाने के निर्देश दियें। उन्होंने सभी ई0ओ0 को प्रत्येक माह व्यापारियों के साथ बैठक कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दियें। बैठक में देवीगंज के व्यापारियों ने बताया कि देवीगंज में भारी वाहनों के आवागमन से जाम की समस्या बनी रहती है, जिस पर जिलाधिकारी ने सहायक आयुक्त वाणिज्यकर को इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक को पत्र प्रेषित कर आख्या प्राप्त करने के निर्देश दियें इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 रवि किशोर त्रिवेदी एवं अपर जिलाधिकरी जयचन्द्र पाण्डेय सहित अन्य अधिकारीगण एवं उद्यमीगण उपस्थित रहें।

आदर्श धनुष यज्ञ मेला बलीपुर टाटा ग्रामसभा में पांच दिवसीय मेले का लाखो दर्शको ने उठाया लुफ्त

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। चायल तहसील के ग्राम पंचायत बलीपुर टाटा का पांच दिवसीय दशहरा मेला सकुशल सम्पन्न हो रहा है मेला प्रबंधक भंवर सिंह यादव ने कहा मेले में उमड़ी अपार भीड़ ने आने वाले त्योहार के उत्साह में चार चांद लगा दिया। ग्राम पंचायत बलीपुर टाटा में 2 दिसंबर को मुकुट पूजन के साथ शुरू हुए रामलीला कार्यक्रम में बीती देर शाम लक्ष्मण मूर्छा, मेघनाद वध, कुम्भकर्ण वध, अहिरावण वध आतातायी रावण वध कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। पांच दिवसीय मेले के प्रथम दिवस का आयोजन 2 दिसम्बर को हुआ जिसमे भीड़ अपेक्षाकृत कम रही किन्तु मेला के दूसरे दिन 3 दिसंबर से 4 दिसम्बर वा 5 दिसंबर को मेला दर्शनार्थियों की अपार भीड़ आ गयी बड़े बुजुर्ग बच्चों महिलाओं ने मेले का जमकर लुत्फ उठाया जिधर देखो उधर लोगों का सैलाब ही दिखाई दे रहा था

मेले में उमड़ी भीड़।

महिलाओं के लिए सौंदर्य प्रसाधन की दुकान बच्चों के लिए झूले खेल खिलौने चाट, गोलगप्पे चाऊमीन पिज्जा वर्गर आइसक्रीम की दुकानें आकर्षक क्राकरी बर्तन वस्तुए, देवी देवताओं के चित्र की दुकानों सहित तमाम प्रकार के खान पान की दुकानों पर भारी भीड़ देखने को मिली। खान पान दुकानदारों के पास किसी प्रकार का खाद्य पदार्थ शेष नही रहा।मेला में लगे मीना बाजार में महिलाओं ने अपनी मनपसंद चीजों की जमकर खरीददारी की है महिलाओं की सुरक्षा हेतु महिला पुलिसकर्मी बराबर चहलकदमी करती देखी गयी हैं! आदर्श रामलीला कमेटी रोशनी कमेटियों द्वारा पूरे ग्राम पंचायत को सुंदर आकर्षक रंगबिरंगी रोशनी से जगमगा दिया गया था गांव में मेला की अपार भीड़ का आलम था जिसे पुलिस प्रशासन के लोग संभाल रहे थे कमेटियों द्वारा मंच बनाये गए थे जिसमें वालेंटियर तैनात थे। मेला कमेटी के लोग अपने साथियों के साथ मेले में पधारने वाले जनसमुदाय भीड़ को बखूबी संभाल रहे थे! आकर्षक मंच में वरिष्ठ समाजसेवियों, मीडिया मित्रों को माल्यर्पण कर उनका स्वगत करते हुए उमड़े जनसमूह को संभाल रहे थे। मेला में जवाबी बिरहा का भी आयोजन किया गया सोना सुहानी प्रयागराज व सुरेंद्र यादव कौशांबी की पावन धरती से बिरहा में चार चांद लगा दिए मेला अध्यक्ष पुष्पा देवी ग्राम प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि वीरेंद्र कुमार, कोषाअध्यक्ष कल्लू साहू, मेला प्रबंधक भंवर सिंह यादव, मेला महामंत्री नर्मदा वर्मा, मेला मीडिया प्रभारी गणेश साहू, मेला कमेटी के सदस्य अशोक यादव, झब्बू यादव, चींगू यादव, संजू साहू, सुरजीत यादव, तीरथ लाल भारतीय, लाल जी भारतीय, ऊदल भारतीय, अंगनू भारतीय, भैरव प्रजापति, शंकर लाल यादव, अतर सिंह यादव, ज्ञान सिंह यादव, समर सिंह यादव, राजू विश्वकर्मा, अमित विश्वकर्मा, शिव प्रसाद विश्वकर्मा, कमलेश भारतीय, गोरे यादव, गुंडा यादव, रोहित साहू, मोनू साहू, दुर्गा साहू, दरोगा साहू, नंदू साहू, मुकद्दर साहू, ननका प्रजापति व तमान मेला कमेटी के सदस्य लगातार मेला की व्यवस्था को देखने में लगे रहे।

महीनों बीते चोरी गई बाइक का नहीं लगा सुराग

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के कादीपुर गांव के मुख्य मार्ग पर घर के बाहर खड़ी बाइक को 11 अक्टूबर की रात्रि अज्ञात चोर उठा ले गए थे बाइक चोरी करते समय सीसीटीवी कैमरे के फुटेज दर्ज होने के बाद भी महीनों बीत चुके हैं लेकिन चोरी गई बाइक का सुराग नहीं लग सका है मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था लेकिन मुकदमा दर्ज करने के बाद चोरी गई बाइक के खुलासे का प्रयास पुलिस नहीं कर सकी है जानकारी के मुताबिक कादीपुर गांव निवासी आशुतोष त्रिपाठी का घर स्टेट बैंक के बगल में है उनके घर के बाहर बाइक खड़ी थी जिसे 11 अक्टूबर की रात्रि में चोर उठा ले गए हैं डेढ़ महीने से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन चोरी गई बाइक का खुलासा नहीं हो सका है।

किसानों को धान बिक्री में दिक्कत हुई तो सकिपा करेगी धरना प्रदर्शनः अजय सोनी

सिराथू धान क्रय केंद्र का अजय सोनी ने लिया स्थलीय जायजा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। समर्थ किसान पार्टी के नेता एवं जिला पंचायत सदस्य अजय सोनी ने सोमवार को सिराथू हाट शाखा धान क्रय केंद्र का स्थलीय जायजा लिया और मौके पर मौजूद रहे किसानो से मुलाकात की। इस अवसर पर कई किसानों ने धान बिक्री में हो रही समस्या से उन्हे अवगत कराया। किसानों की समस्यायों को सुनकर अजय सोनी ने किसानो को अपना व्यक्तिगत नंबर दिया और कहा कि धान बिक्री में किसी तरह की भी परेशानी या समस्या होती है तो उनसे किसी भी समय संपर्क कर सकते हैं।

इसके बाद अजय सोनी ने मौके पर मौजूद रहे किसानो से धान बिक्री के संबंध में वार्ता की। वार्ता के दौरान अजय सोनी से किसानो ने बताया कि केंद्र प्रभारी खुद केंद्र पर कम उपस्थित रहते है और अपने प्राइवेट व्यक्ति के द्वारा धान क्रय कार्य का संचालन करवाते हैं। वह प्राइवेट व्यक्ति क्रय केंद्र प्रभारी के अभिकर्ता की तरह काम करता है। इस बात को लेकर अजय सोनी ने जिला खाद्य विपणन अधिकारी अंशुमाली शंकर से फोन पर शिकायत की। साथ ही किसी भी प्राइवेट व्यक्ति के द्वारा किसी भी किसान के साथ धान बिक्री को लेकर किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होने देने की मांग की अन्यथा धरना प्रदर्शन करने की बात कही। इस अवसर पर राम मिलन पांडेय, वीरेंद्र तिवारी, सुनील कुमार, राम प्रसाद मौर्य, छेदीलाल पाल, बशीर अहमद आदि मौजूद रहे।

धान क्रय केंद्र में किसानों से वार्ता करते अजय सोनी।

नगर पालिका और नगर पंचायत के आरक्षण की सूची जारी

लाखों खर्च कर बैनर पोस्टर लगाने वाले संभावित दावेदार चारों खाने चित्त

नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के अध्यक्ष पद पर आरक्षण की सूची जारी होते ही बदला समीकरण

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के आरक्षण की सूची नगर निकाय लखनऊ द्वारा जारी कर दिए जाने के बाद जिले के लगभग सभी नगर पंचायत और नगर पालिका परिषद क्षेत्र में तमाम संभावित दावेदार चारों खाने चित्त दिखाई पड़ रहे हैं अध्यक्ष पद के आरक्षण की सूची जारी होने के बाद नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के चुनाव के समीकरण पूरी तरह से बदल गए हैं शासन द्वारा जारी की गई अध्यक्ष पद के आरक्षण की सूची की जानकारी मिलने के बाद तमाम संभावित अध्यक्ष पद के दावेदारों के चेहरे उतर गए हैं कई महीने से अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों ने लाखों रुपए खर्च कर सड़कों पर बैनर पोस्टर होल्डिंग लगा कर प्रचार करना शुरू कर दिया था घर-घर जाकर संभावित प्रत्याशी जनसंपर्क कर रहे थे आने वाले दिनों में संभावित दावेदारों को नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के अध्यक्ष पद की कुर्सी सपने में दिखाई पड़ रही थी लेकिन अचानक आरक्षण की सूची जारी होने के बाद अध्यक्ष पद के तमाम संभावित दावेदारों को चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिल सका है जिससे संभावित दावेदारों के चेहरे पर मायूसी छा गई है।

बैनर पोस्टर होल्डिंग में लगाए गए लाखों रुपए उनका बर्बाद होता दिखाई पड़ रहा है। शासन द्वारा नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के आरक्षण की सूची जारी किए जाने के बाद गली नुक्कड़ चौराहे पर जन चचाएं तेज हो गई है प्रत्याशियों के उतरे चेहरे देखकर तमाम लोग चचाएं करने लगे हैं और जिन लोगों को नगर पंचायत और नगरपालिका परिषद में शासन ने चुनाव लड़ने का मौका नहीं दिया है ऐसे संभावित दावेदार घर के भीतर मायूस चेहरा लेकर सिमट गए हैं अध्यक्ष पद के तमाम संभावित दावेदारों के मोबाइल फोन स्विच ऑफ हो चुके हैं सूची जारी होने के बाद जिन लोगों को नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों में चुनाव लड़ने का मौका दिखाई पड़ रहा है उनके चेहरे खुशी से झूम रहे हैं अब उन्हें जनता अध्यक्ष पद पर पहुंचाती है या मतगणना के बाद उन्हें भी मायूसी हाथ लगती हैं यह तो भविष्य के गर्त में है।

सामान्य वर्ग की महिलाओं को कौशांबी जिले में चुनाव में नहीं मिला मौका

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के आरक्षण की सूची शासन ने जारी कर दी है 50% से कम आरक्षण दिए जाने के नियम के बावजूद नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के आरक्षण सीट पर कौशाम्बी जनपद में नियम विरुद्ध तरीके से 80% आरक्षित कर दिया गया है आखिर नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के आरक्षण में नियमावली का पालन कौशांबी जिले में क्यों नहीं किया गया है इसके पीछे नगर निकाय की क्या मंशा है।

कौशांबी जिले के नगर पंचायत और नगर पालिका परिषद की जारी सूची के अनुसार अनुसूचित जाति के लिए चायाल और चरवा नगर पंचायत घोषित की गई है वही नगर पालिका परिषद मंझनपुर और पूरब पश्चिम सरीरा नगर पंचायत कौ अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित घोषित की गई है।

4 सीटों पर अनुसूचित जाति का आरक्षण है सराय अकिल अझुवा और कड़ा धाम नगर पंचायत को अन्य पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित की गई है सिराथू नगर पंचायत को पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षण दिया गया है चार नगर पंचायतों में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने का शासन ने निर्णय किया है जबकि करारी नगर पंचायत अनारक्षित और नगर पालिका परिषद भरवारी को अनारक्षित घोषित किया गया है ऐसे में जिले में नगर पालिका परिषद और नगर पंचायत मिलाकर 10 स्थान पर चुनाव होने हैं जिनमें 4 सीटों पर पिछड़ा वर्ग और चार सीट पर अनुसूचित जाति को आरक्षित किया गया है नगर पंचायत करारी और नगर पालिका परिषद भरवारी को अनारक्षित घोषित किया गया है जिस पर सभी वर्ग के चुनाव लड़ सकते हैं सामान्य वर्ग की महिला के लिए नगर पालिका और नगर पंचायत में आरक्षण की घोषणा शासन ने नहीं की है जिससे कौशांबी जनपद में सामान्य वर्ग की महिलाओं को चुनाव लड़ने से साफ तौर पर सरकार ने रोक लगा दी है सामान्य वर्ग की महिलाओं के साथ यह उपेक्षा और पक्षपातपूर्ण का रवैया घोर निंदा का विषय है आखिर योगीराज में सामान्य वर्ग की महिलाओं के साथ क्यों उपेक्षा की गई है या बड़ी जांच का विषय है।

सत्संग की आड़ में बेखौफ तरीके से चल रहा है धर्म परिवर्तन का खेल

लाखों रुपए के लालच में गरीब कमजोर लोग धर्म छोड़कर स्वीकार कर रहे दूसरा धर्म

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में धर्म परिवर्तन का खेल बेखौफ तरीके से चल रहा है सत्संग के आड़ में गांव क्षेत्र को लोगों के एकत्रित करना फिर उन्हें दूसरे धर्म के महत्व के बारे में बताते हुए उन्हें धर्म परिवर्तन करने के लिए उसकाया जाता है सत्संग के आड़ में चलने वाले धर्म परिवर्तन का यह खेल इन दिनों सिराथू तहसील क्षेत्र के शमशाबाद मलाक पींजरी बम्बूपुर तुलसीपुर राघवापुर फत्तेपुर गुलामी पुर आदि क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है धर्म परिवर्तन में लगे लोगों द्वारा जगह-जगह कैम्प पर लगाए जाते हैं लोगो के घर घर जाते हैं ढोल मजीरा बजाते हैं हिंदू देवी देवताओं की मूर्ति को फेंकने के लिए लोगों को उसकाते हैं उसके बाद उन्हें अपने धर्म की बात बता कर लाखों रुपए देकर वे धर्म करते हैं चरवा थाना क्षेत्र के एक निश्चित स्थान पर ले जाकर उन्हें मोटी रकम देकर धर्म परिवर्तन करा देते हैं लाखों रुपए के लालच में लोग दूसरे के धर्म को स्वीकार कर रहे हैं लंबे समय से धर्म परिवर्तन का यह खेल जिले के धरती में फल फूल रहा है कुछ वर्षों पहले मंझनपुर कोतवाली पुलिस ने धर्म परिवर्तन के इस खेल का भंडाफोड़ किया था कुछ महीने तक सत्संग के आड़ में धर्म परिवर्तन के इस खेल पर रोक लग गई थी लेकिन फिर धीरे-धीरे सत्संग की आड़ में धर्म परिवर्तन का यह खेल बेखौफ तरीके से शुरू है लेकिन गुप्तचर से लेकर विभिन्न तरह के लोगों ने धर्म परिवर्तन के इस खेल को बेनकाब करने का प्रयास नहीं किया है चरवा थाना क्षेत्र के कोइलाहा के पास धर्म परिवर्तन का मुख्य स्थान माना जाता है शिक्षण संस्थान की आड़ में धर्म परिवर्तन का खेल खेला जा रहा है जहां पर लोगों को ले जाकर के वेधर्म करने के बाद उन्हें लालच में धर्म स्वीकार कराया जाता है यदि धर्म परिवर्तन के इस खेल की आला अधिकारियों ने सूक्ष्म जांच कराई तो धर्म परिवर्तन के इस खेल में लगे लोग बेनकाब होगे और कई लोगों की गिरफ्तारी होना तय है।

हंड्रेड डेज गोल्डन फेज का हुआ आगाज...

कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज, एनडी कान्वेंट स्कूल एंड कॉलेज एवं कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भीटी के छात्र हुए शामिल

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। भरवारी स्थित कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज, एनडी कान्वेंट स्कूल एंड कॉलेज एवं कौशांबी प्रेसीडेंसी स्कूल एंड कॉलेज भीटी के बच्चों के लिए आज केपीएस भरवारी के प्रांगण में हंड्रेड डेज गोल्डन फेस कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें सफलता के स्वर्णिम 100 दिन के माध्यम से बच्चों को आने वाले बोर्ड परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरित किया गया संस्थान के सभी विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चेयरमैन एमजीएम ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन पूर्व विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता रहे जिन्होंने अपने संबोधन में हंड्रेड डेज गोल्डन फेस की रूपरेखा को बताया उन्होंने बताया कि सभी बच्चों को ग्रेड वाइज वितरित कर दिया गया है और गोद लिए गए बच्चों की पूरी मॉनिटरिंग संबंधित शिक्षक अथवा शिक्षिका करेंगे जो बच्चे ए ग्रेड के हैं उन्हें ए प्लस ग्रेड कैसे करें इसकी चिंता संबंधित शिक्षक अथवा शिक्षिका करेंगे जो बच्चे बी, सी ग्रेड के है उन्हें कैसे ए ग्रेड में लाया जाए हंड्रेड डेज गोल्डन फेस के माध्यम से उनके अंदर ए ग्रेड करने की क्षमता विकसित की जाएगी.. सभी छात्र एवं छात्राएं अपना स्टडी टाइम टेबल स्वयं तैयार करेंगे जिसका फॉर्मेट स्कूल की तरफ से उपलब्ध कराया गया है टीचर्स प्रत्येक बच्चे की मॉनिटरिंग करने के साथ-साथ उनके ग्रेड के सुधार की रिपोर्ट सीट भी तैयार करेंगे इसके अलावा आवश्यकता पड़ने पर हमारे टीचर्स की टीम छात्र एवं छात्राओं के घर भी जाएगी बच्चों के परिणाम सर्वोत्तम हो इसके लिए संस्थान लगातार बच्चों के टेस्ट करवाएगा और प्रोत्साहन हेतु पुरस्कृत भी करेगा श्री गुप्ता ने बताया कि संस्थान बच्चों के हितार्थ काउंसलर के माध्यम से बच्चों की काउंसलिंग करेगा और ग्रेड वाइज बच्चों के प्रगति में यह सार्थक पहल सिद्ध होगी इस तरीके से यह 100 दिन स्वर्णिम दिन बच्चों के लिए एक वरदान साबित होगा बच्चे देश का भविष्य है इन्हें पूर्ण रूप से दिशा निर्देश की आवश्यकता है आगे चलकर की यही समाज का अभिन्न अंग बनकर करके देश के विभिन्न पदों की शोभा बढ़ाएंगे और देश सेवा करेंगे श्री गुप्ता जी ने अपने संदेश में कहा कि हर व्यक्ति को कठिन परिश्रम करना चाहिए कठिन परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाती है संस्थान की निदेशक श्रीमती सीमा पवार जी ने अपने संदेश में कहा कि शिक्षा के माध्यम से परिवार, समाज, देश का सर्वांगीण विकास संभव है जहां लोग शिक्षित होंगे वही सभ्यता का विकास होगा और जहां सभ्यता विकसित होगी वहीं विकसित राष्ट्र की कल्पना संभव है उन्होंने हंड्रेड डेज गोल्डन फेस के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास के क्रम में हर घर शिक्षा का आवाहन किया कार्यक्रम में डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर मयंक मिश्रा , केपीएस प्रिंसिपल रत्नाकर शर्मा, सुशील त्रिपाठी, सौरभ सिंह ,नारायण तिवारी, रंजीत सिंह, मधुबन पटेल, संतोष प्रजापति, प्रदीप मौर्य , ब्रह्म प्रकाश, सुनील कुमार, अशरफ अली आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र छात्राओं को संबोधित करते पूर्व विधायक संजय गुप्ता।

संपादकीय

भारत में धार्मिक स्वतंत्रता

अमेरिका ने एक रिपोर्ट जारी की है। उसके अनुसार दुनिया के 14 देशों में धार्मिक स्वतंत्रता को खतरा है। यह खुशी की बात है कि 14 देशों में भारत का आगे-पीछे कहीं भी नाम नहीं है। हमारे तथाकथित अल्पसंख्यक संप्रदायों के नेता, कांग्रेसी और कम्युनिस्ट लोग इसे अमेरिका की लापरवाही कहेंगे या वे यह मानकर चलेंगे कि अमेरिका ने इन देशों के साथ भारत का नाम इसलिए नहीं जोड़ा है कि वह उसे चीन के विरुद्ध इस्तेमाल करना चाहता है। इस रपट में रूस, चीन और पाकिस्तान के नामों पर विशेष जोर दिया गया है। यदि अमेरिका ने भारत को चीन के खिलाफ डटाए रखने की इच्छा के कारण ही इस सूची में भारत का नाम नहीं जोड़ा है तो मैं पूछता हूं कि उसमें सउदी अरब का नाम क्यों जोड़ा गया है? सउदी अरब से तो अमेरिका के संबंध काफी घनिष्ट हैं। इसी प्रकार अब वह पाकिस्तान से भी उत्तम संबंध बनाने के अवसर नहीं छोड़ रहा है। जहां तक रूस और चीन का सवाल है, इन दोनों देशों से उसके संबंध तनावपूर्ण हैं लेकिन वहां धार्मिक आजादी के दावों पर सच में अमल नहीं हो रहा है। जिहोवाज विटनेस संप्रदाय के लोगों पर रूस में कड़ा प्रतिबंध है। उन्हें कठोर सजाएं भी मिलती रहती हैं जबकि रूस अपने आप को कम्युनिस्ट नहीं, धर्म-निरपेक्ष राष्ट्र कहता है। चीन भी धार्मिक स्वतंत्रता का दावा करता है। उसने बौद्ध, इस्लाम, ताओ, केथोलिक और प्रोटेस्टेंट ईसाई धर्मों को मान्यता दे रखी है लेकिन दस लाख उइगर मुसलमानों को यातना-शिविरों में पटक रखा है और तिब्बती बौद्धों को वहां सदा शक की नजर से देखा जाता है।

जहां तक ईरान का सवाल है, वहां कट्टरपंथी शिया आयतुल्लाहों का बोलबाला है। ईरान में सुन्नी, बहाई और पारसी लोगों का जीवन दूभर है। पाकिस्तान में हिंदू, बहाई, सिख, यहूदी और ईसाइयों का जीना हराम है। सरकारें तो उनके साथ न्याय करना चाहती हैं लेकिन समाज इसके लिए तैयार नहीं है। कई अफ्रीकी और एशियाई देशों में तो अनेकानेक नरम और सख्त धार्मिक प्रतिबंध जारी हैं। दुनिया के लगभग 40-45 देश ऐसे हैं, जिनमें भारत या अमेरिका की तरह धार्मिक स्वतंत्रता नहीं है। भारत में इस धार्मिक स्वतंत्रता का भयंकर दुरुपयोग भी होता है। हमारे नेता मजहब और धर्म के नाम पर हमेशा थोक वोट कबाड़ने की फिराक में रहते हैं। इसके अलावा लालच और भय के आधार पर भारत में बड़े पैमाने पर धर्म-परिवर्तन का धंधा भी चला हुआ है।

सबके लिए एक-जैसा कानून क्यों नहीं ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

भाजपा कई वर्षों से लगातार वादा कर रही है कि वह सारे देश में सबके लिए निजी कानून एक-जैसा बनाएगी। वह समान नागरिक संहिता लागू करने की बात अपने चुनावी घोषणा पत्रों में बराबर करती रही है। निजी मामलों में समान कानून का अर्थ यही है कि शादी, तलाक, उत्तराधिकार, दहेज आदि के कानून सभी मजहबों, जातियों और क्षेत्रों में एक-जैसे हों। भारत की दिक्कत यह है कि हमारे यहां अलग-अलग मजहब में निजी-कानून अलग-अलग तो हैं ही, जातियों और क्षेत्रों में अलग-अलग से भी ज्यादा परस्पर विरोधी परंपराएं बनी हुई हैं। जैसे हिंदू कोड बिल के अनुसार हिंदुओं में एक पत्नी विवाह को कानूनी माना जाता है लेकिन शरीयत के मुताबिक एक से ज्यादा बीवियां रखने की छूट है। भारत के कुछ उत्तरी हिस्से में एक औरत के कई पति हो सकते थे। भारत के दक्षिणी प्रांतों में मामा-भानजी की शादी भी प्रचलित रही है। आदिवासी क्षेत्रों में बहु पत्नी प्रथा अभी भी प्रचलित है। इसी तरह से पति-पत्नी के तलाक संबंधी परंपराएं भी अलग-अलग हैं। यही बात पैतृक संपत्ति के उत्तराधिकार पर भी लागू होती है। इन सवालों पर संविधान सभा में काफी बहस हुई और नीति निदेशक सिद्धांतों में समान सिविल कोड की बात कही गई लेकिन आज तक किसी केंद्र या प्रादेशिक सरकार की हिम्मत नहीं पड़ी कि सबके लिए एक-जैसा निजी कानून बना दे। अब खुशी की बात है कि उ.प्र., गुजरात, असम और उत्तराखंड की सरकारों के साथ-साथ म.प्र. की सरकार भी समान आचार संहिता लागू करनी की तैयारी कर रही है। वैसे भारत में जन्मे धर्मों- हिंदू, जैन, सिख, बौद्ध आदि मतावलंबियों पर तो यह पहले से लागू है लेकिन ईसाई, मुसलमान, यहूदी आदि विदेशों में जन्मे धर्म के लोग अपने मजहबी कानूनों को ही लागू करने पर अड़े हुए हैं। इसे वे भाजपा की हिंदूकरण की रणनीति ही मानते हैं।

ऐसे लोगों से मुझे यही पूछना है कि आप अपने धर्म का पालन करना चाहते हैं या विदेशियों की नकल करना चाहते हैं? क्या इस्लाम, ईसाइयत, यहूदी और पारसी धर्म का पालन तभी होगा, जब हमारे मुसलमान अरबों की, हमारे ईसाई यूरोपियों की, हमारे यहूदी इजरायलियों की और हमारे पारसी ईरानियों की नकल करें? जब हमारे हिंदुओं ने राजा दशरथ की तीन पत्नियों और द्रौपदी के पांच पतियों को परंपरा को त्याग दिया तो हमारे मुसलमानों को भी डेढ़ हजार साल पुरानी अरबों की पोंगापंथी परंपराओं के अंधानुकरण की क्या जरूरत है?

(लेखक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं।)

प्रसन्न समाजों में हम क्यों पिछड़ रहे हैं?

ललित गर्ग

संयुक्त राष्ट्र की ने वर्ष 2022 की पहली तिमाही में सालाना वर्ल्ड हैपीनेस रिपोर्ट जारी की है। 149 देशों की सूची में भारत का स्थान खुशी और प्रसन्नता के मामले में 136वां है, जो हैरानी का बड़ा कारण है। इस सूची में फिनलैंड लगातार पांचवीं बार अव्वल रहा है। डेनमार्क, आइसलैंड, स्विटजरलैंड और नीदरलैंड ने शीर्ष पांच में अपना स्थान बनाया है। हम प्रसन्न समाजों की सूची में क्यों नहीं अव्वल आ पा रहे हैं। गुजरात एवं हिमाचल प्रदेश के चुनाव की सरगर्मियों एवं शोरशराबे के बीच इस रिपोर्ट का आना जहां सत्ता के शीर्ष नेतृत्व को आत्ममंथन करने का अवसर दे रहा है, वहीं नीति-निमार्ताओं को भी सोचना होगा कि कहां समाज निर्माण में त्रुटि हो रही है कि हम लगातार खुशहाल देशों की सूची में नीचे खिसक रहे हैं। क्या खुशियों को स्थापित करना सरकार की प्राथमिकता नहीं होनी चाहिए? हमारी खुशी कैसी है, इसको मापना भी इसलिये जरूरी है कि हम एक नया भारत एवं सशक्त भारत निर्मित करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। बिना खुशी एवं आनन्द के हमारी उपलब्धियां बेमानी होगी।

प्रश्न है कि हमारी खुशी का पैमाना क्या हो? अधिकतर लोग छोटी-छोटी जरूरतें पूरी होने को ही खुशी मान लेते हैं। इससे उन्हें उस पल तो संतुष्टि मिल जाती है, उनका मन खिल जाता है। लेकिन यह खुशी ज्यादा देर नहीं टिकती, स्थायी नहीं होती। इच्छा पूरी होने के साथ ही उनकी खुशी भी कमजोर होने लगती है। खुशी एवं प्रसन्नता हम सबकी जरूरत है, लेकिन प्रश्न है कि क्या हमारी यह जरूरत पूरी हो पा रही है, ताजा आकलन से तो यही सिद्ध हो रहा है कि हम खुशी एवं प्रसन्नता के मामले में लगातार पिछड़ रहे हैं। विडम्बनापूर्ण स्थिति तो यह है कि हमारा भारतीय समाज एवं यहां के लोग अपने ज्यादातर पड़ोसी समाजों से कम खुश है। रिपोर्ट में फिनलैंड को लगातार पांचवी साल सबसे खुशहाल देश का तमगा मिला, हमने देखना होगा कि वहां ऐसी कौनसी बातें है जो उन्हें खुशहाली में अव्वल बनाती है। खुशहाली की रिसर्च में खुशहाली को राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध भौतिक सुविधाओं से मापा जाता है। लेकिन खुशियां का दायरा इतना छोटा तो नहीं होता। खुशहाली सूचकांक के लिए अर्थशास्त्रियों की एक टीम व्यापक स्तर पर शोध करती है, यह टीम समाज में सुशासन, प्रति व्यक्ति आय, स्वास्थ्य, जीवित रहने की उम्र, भरोसा, सामाजिक सहयोग, स्वतंत्रता और उदारता आदि को आधार बनाती है। रिपोर्ट का मकसद विभिन्न देशों के शासकों को आईना दिखाना है कि उनकी नीतियां लोगों की जिंदगी खुशहाल बनाने में कोई भूमिका निभा रही हैं या नहीं। हमारा शीर्ष नेतृत्व निरन्तर आदर्शवाद और अच्छाई का झूठ रचते हुए सच्चे आदर्शवाद के प्रकट होने की असंभव कामना करता रहा है, इसी से जीवन की समस्याएं सघन होती जा रही है, नकारात्मकता का व्यूह मजबूत होता जा रहा है, खुशी एवं प्रसन्न जीवन का लक्ष्य अधूरा ही रह रहा है, इनसे बाहर निकलना असंभव-सा होता जा रहा है। दूषित और दमघोंटू वातावरण में आदमी अपने आपको टूटा-टूटा सा अनुभव कर रहा है। आर्थिक असंतुलन, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, बिगड़ी कानून व्यवस्था एवं भ्रष्टाचार उसकी धमनियों में कुत्सित विचारों का रक्त संचरित कर रहा है। ऐसे जटिल हालातों में इंसान कैसे खुशहाल जीवन जी सकता है?

यहां प्रश्न यह भी है कि आखिर हम खुशी और प्रसन्नता के मामलें क्यों पीछे हैं, जबकि पिछले कुछ समय से भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी को पूरी दुनिया ने स्वीकार किया है। भारत ने विश्व नेतृत्व करने की क्षमताओं को भी गढ़ा है। अनेक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संगठनों ने इस मामले में हमारी पीठ ठोकी है। यही नहीं, खुद संयुक्त राष्ट्र ने मानव विकास के क्षेत्र में भारतीय उपलब्धियों को रेखांकित किया है। बावजूद इसके, खुशहाली में हमारा मुकाम इतना नीचे होना आश्चर्यकारी है। दरअसल पिछले दो-ढाई दशकों में भारत में विकास प्रक्रिया अपने साथ हर मामले में बहुत ज्यादा विषमता लेकर आई है। जो पहले से समर्थ थे, वे इस प्रक्रिया में और ताकतवर हो गए हैं। यानी लखपति करोड़पति हो गए और करोड़पति अरबपति बन गए। एकदम साधारण आदमी का जीवन भी बदला है लेकिन कई तरह की नई समस्याएं उसके सामने आ खड़ी हुई हैं। नौकरी-रोजगार, अर्थव्यवस्था, महंगाई, पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम, रुपया का अवमूल्यन, किसानों की दुर्दशा, भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, महिलाओं पर बढ़ते अपराध, शिक्षा, चिकित्सा ऐसे अनेक ज्वलंत मुद्दे हैं जिनका सामना करते हुए व्यक्ति निश्चित ही तनाव में आया है, उसकी खुशियां कम हुई है, जीवन में एक अंधेरा व्याप्त हुआ है। यह अलग बात है कि इन बुनियादी मसलों के खड़े रहने पर भी जिन्दगी तो चलती ही रही है मगर यह जीना भी कोई जीना है! ये सवाल ऐसे हैं जिनका सामना करते हुए व्यक्ति की खुशहाली में कमी आयी है।

खुशहाल भारत को निर्मित करने के लिये आइये! अतीत को हम सीख बनायें। उन भूलों को न दोहरायें जिनसे हमारी रचनाधर्मिता जख्मी हुई है। जो सबूत बनी हैं हमारे असफल प्रयत्नों की, अधकचरी योजनाओं की, जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों की, मुफ्त की संस्कृति में अकर्मण्य होने की है

भारत के आम आदमी की खुशहाली में कमी होने का बड़ा कारण यह है कि सरकार ने गरीबों के लिये योजनाएं बनायी हैं, लेकिन वे योजनाएं राजनीतिक लाभ लेने तक सीमित हैं। यही कारण है कि अत्यंत निर्धनों के लिए जो योजनाएं बनी हैं, उनका जोर उस वर्ग को किसी तरह जिंदा रखने पर है। उनको उत्पादन प्रक्रिया का हिस्सा बनाने की कोई कोशिश नहीं हो रही है। वह वर्ग भुखमरी से तो उबर गया है मगर शिक्षा, स्वास्थ्य और न्याय उसकी पहुंच से बाहर है। इससे ठीक ऊपर वाले बड़े तबके यानी मध्यम वर्ग को तो सरकारी मदद लायक भी नहीं माना जाता। यह वर्ग तो सर्वाधिक पीड़ित एवं परेशान है। ऐसे लोगों के जीवन में खुशी भला कहां से आएगी? विकास की सार्थकता इस बात में है कि देश का आम नागरिक खुद को संतुष्ट और आशावान महसूस करे। स्वयं आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ बने, कम-से-कम कानूनी एवं प्रशासनिक औपचारिकताओं का सामना करना पड़े, तभी वह खुशहाल हो सकेगा। डिजिलीकरण, आर्थिक नवाचार जैसी घटनाओं ने आम आदमी को अधिक परेशानी एवं कंकाली दी है। उससे गरीब अधिक गरीब हुआ है। आम आदमी की समस्याएं कम होने की बजाय अधिक बढ़ी है। समस्याओं के घनघोर अंधेरों के बीच उनका चेहरा बुझा-बुझा है। न कुछ उनमें जोश है न होश। अपने ही विचारों में खोए-खोए, निष्क्रिय और खाली-खाली से, निराश और नकारात्मक तथा ऊर्जा विहीन। हाँ सचमुच ऐसे लोग पूरी नींद लेने के बावजूद सुबह उठने पर खुद को थका महसूस करते हैं, कार्य के प्रति उनमें उत्साह नहीं होता। ऊर्जा का स्तर उनमें गिरावट पर होता है। क्यों होता है ऐसा? कभी महसूस किया आपने? यह स्थितियां एक असंतुलित एवं अराजक समाज व्यवस्था की निष्पत्ति है। ऐसे माहौल में व्यक्ति खुशहाल नहीं हो सकता। एक महान विद्वान ने कहा था कि जब हम स्वार्थ से उठकर अपने समय को देखते हुए दूसरों के लिए कुछ करने को तैयार होते हैं तो हम सकारात्मक हो जाते हैं। सरकार एवं सत्ताशीर्ष पर बैठे लोगों को निस्वार्थ होना जरूरी है। उनके निस्वार्थ होने पर ही आम आदमी के खुशहाली के रास्ते उद्घाटित हो सकते हैं। तभी आम आदमी को ऊर्जा एवं सकारात्मकता से समृद्ध किया जा सकता है, और तभी जीवन को आनंदित बनाया जा सकता हैं। यही आनन्द एवं खुशहाली समाज और राष्ट्र के लिए भी ज्यादा उपयोगी साबित हो सकती है। कामना हमें शुभ, सुखमय एवं खुशहाल जीवन की करनी होगी। लेकिन इसके लिये अवसरवादी, अनैतिक एवं गलत मूल्यों के खिलाफ आवाज भी तो उठानी ही होगी। अगर हमने कुछ लोगों को भी अपराध और भ्रष्टाचार के विरोध में जागृत कर सके तो हम खुशहाल जीवन के सपने को साकार कर सकेंगे। राजनीति की दूषित हवाओं ने भारत की चेतना को प्रदूषित कर दिया है। हम सरकार के बदलते चेहरों को देखने के अभ्यस्त हो गए हैं, सत्ता के गलियारों में स्वार्थों की धमाचौकड़ी ने ही आम आदमी की खुशियों को छीन लिया है। बुराइयां तभी छूटती है जब उनके गलत परिणामों का सही ज्ञान होता है और अच्छाइयां जीवन में स्थायित्व तभी पाती है जब उनके साथ निष्ठा, संकल्प एवं प्रयत्न की गतिशीलता और निरन्तरता जुड़ जाती है।

खुशहाल भारत को निर्मित करने के लिये आइये! अतीत को हम सीख बनायें। उन भूलों को न दोहरायें जिनसे हमारी रचनाधर्मिता जख्मी हुई है।

जो सबूत बनी हैं हमारे असफल प्रयत्नों की, अधकचरी योजनाओं की, जल्दबाजी में लिये गये निर्णयों की, मुफ्त की संस्कृति में अकर्मण्य होने की, सही सोच और सही कर्म के अभाव में मिलने वाले अर्थहीन परिणामों की। एक सार्थक एवं सफल कोशिश करें खुशहाली को पहचानने की, पकड़ने की और पूर्णता से जी लेने की।

निवेश में अब यूपी दे रहा महाराष्ट्र को चुनौती

आर.के. सिन्हा

लखनऊ और मुंबई के बीच फासला भले ही 1350 किलोमीटर से कुछ अधिक ही हो, पर अब महाराष्ट्र के साथ-साथ उत्तर प्रदेश में भी निवेशक झोली भरकर निवेश लाने में लगे हैं। महाराष्ट्र तो परंपरागत रूप से भारत का सबसे खास औद्योगिक राज्यों में से एक रहा है। उत्तर प्रदेश अब महाराष्ट्र का तेजी से निजी क्षेत्र के निवेश में मुकाबला कर रहा है। हालांकि आबादी के लिहाज से देश के सबसे बड़े राज्य की छवि कभी महाराष्ट्र जैसी नहीं रही थी। केंद्र सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की एक ताजा रिपोर्ट देखें तो महाराष्ट्र में सर्वाधिक निजी क्षेत्र का निवेश आ रहा है। उसके बाद दिल्ली का स्थान है और फिर उत्तर प्रदेश का। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि अप्रत्याशित ही मानी जाएगी। बेशक, उत्तर प्रदेश अपने को अब तेजी से बदल रहा है। राज्य सरकार को समझ आ गया है कि बिना निजी क्षेत्र के निवेश के राज्य का हरेक क्षेत्र में विकास मुमकिन नहीं होगा। देखिए महाराष्ट्र और दिल्ली में तो निवेशक आते ही रहे हैं। ये दोनों राज्य देशी-विदेशी निवेशकों को भी अपनी तरफ खींचते हैं। पर नोट करने लायक तथ्य यही है कि अब उत्तर प्रदेश भी निवेशकों को लुभा रहा है। उत्तर प्रदेश के विकास का एजेंडा तय करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए बड़ी छलांग लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में 10 लाख करोड़ रुपये का औद्योगिक निवेश लाने की युद्ध स्तर पर कोशिशें चल रही है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं सक्रिय हैं। वे बड़े निवेशकों और उद्योगपतियों से मिल रहे हैं। उन्हें बता रहे हैं कि उन्हें उत्तर प्रदेश में निवेश करने से क्या लाभ होगा। याद नहीं आता कि उनसे पहले राज्य का कोई मुख्यमंत्री अपने राज्य में निवेश लाने को लेकर इतना एक्टिव रहा हो। आप जानते हैं कि कोरोना काल में सब तरफ आर्थिक गतिविधियां ठप सी पड़ गई थीं। पर उत्तर प्रदेश में उस दौर में भी निवेशकों ने 66,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। दरअसल अगर आप भारत के निजी क्षेत्र के निवेश के लिहाज से सबसे पसंदीदा राज्यों की सूची में नजर डालेंगे तो आपको मोटा-मोटी महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली जैसे राज्य ही नजर आएंगे। इनमें हुई आर्थिक प्रगति ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है। नब्बे के दशक में शुरू हुए आर्थिक उदारीकरण का लाभ उठाते हुए इन सब राज्यों ने अपनी जीडीपी को मजबूत बनाया और वर्तमान में जीडीपी के हिसाब से महाराष्ट्र देश का सबसे अग्रणी राज्य है। कर्नाटक तो देश की आई टी राजधानी बन चुका है और तमिलनाडु ऑटो सेक्टर का बडा हब। ये सब राज्य देश की अर्थव्यवस्था के ग्रोथ इंजन की भूमिका निभा रहे हैं। इनमें आर्थिक प्रगति की रफ्तार लाजवाब रही है। महाराष्ट्र की जीडीपी का आकार पूरे पाकिस्तान की जीडीपी से भी अधिक है। अब इन राज्यों की सूची में उत्तर प्रदेश का आना सुखद है। राम और कृष्ण की जन्मभूमि उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा है। करीब 22 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश के विकास को छोड़कर भारत की प्रगति की कल्पना करना असंभव होगा। एक बात तो समझनी ही होगी कि कोई भी देश और उसका राज्य अपने देश के निवेशकों पर ही निर्भर नहीं रह सकता है। उसे विदेशी निवेश भी तो खींचना ही होगा। अच्छी बात यह है ब्रिटेन, मारीशस, नीदरलैंड, डेनमार्क, सिंगापुर जैसे देशों के निवेशक भी उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर गंभीर हैं। हां, निवेश तो तब ही आएगा जब सरकारें अपने यहां निवेश का माहौल पैदा करेंगी। निवेशकों को सुरक्षित जीवन का भरोसा देंगी। उत्तर प्रदेश यह भरोसा देने में हाल के दिनों में कामयाब रहा है। निवेशकों को भी उत्तर प्रदेश में निवेश करना लाभ का सौदा नजर आ रहा है। जाहिर सी बात है कि कोई भी निवेशक घाटा खाने के लिए कहीं निवेश करेगा नहीं। उत्तर प्रदेश में गौतम अडानी, कुमार मंगलम बिड़ला, निरंजन हीरानंदानी, सज्जन जिंदल जैसे उद्योगपति निवेश लेकर आ रहे हैं। दरअसल लंबे समय तक अंधेरे में डूबा रहा उत्तर प्रदेश अपनी छवि तेजी से बदलना चाहता है। आपको आज के दिन सारे राज्य में स्तरीय सड़कें, साफ सुथरे चमकते बाजार, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्कूल वगैरह देखने को मिलेंगी। सरकारी दफ्तरों में भी काहिली काफी हद तक खत्म हो गई है। इस बीच, आप गौर करें कि जिन राज्यों में विकास का पहिया काफी सालों- दशकों से घूम रहा है वहां के नौजवान भी अब आंत्रप्योनर बन रहे हैं। उत्तर प्रदेश के नौजवानों को भी अब नौकरी की जगह अपना कोई काम-धंधा शुरू करने के संबंध में सोचना होगा। उनके सामने ओला के फाउंडर भाविश अग्रवाल, जोमैटो के दीपेन्द्र अग्रवाल, इंफोसिस के नंदन नीलकेणी जैसे सैकड़ों पहली पीढ़ी के आंत्रप्योनर की सफल कहानियां हैं। पहली पीढ़ी के उद्यमी सफल हो रहे हैं। ये रोजगार दे रहे हैं और नौजवानों को लगातार प्रेरित कर रहे हैं। देश के सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तो हजारों इस तरह के युवा एक्टिव हैं जिनके परिवारों में उनसे पहले कभी किसी ने कभी कोई बिजनेस नहीं किया था। यह समय अपना धंधा करने के लिहाज से सर्वोत्तम है। आपको बैंकों और वित्तीय संस्थानों से आसान शर्तों पर लोन भी मिल जाता है। यह स्थिति कुछ साल पहले तक नहीं थी। उस दौर में लोन के लिए बहुत धक्के खाने पड़ते थे। लेकिन, आज अगर आपके कोई बढ़िया आइडिया है तो आपकी सफलता तय है।

हिजाब मुद्दे को प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाना उचित नहीं

तनवीर जाफरी

विगत कई वर्षों से मुसलमानों के विभिन्न धार्मिक,सामाजिक व उनके शरई मामलों में दखलअंदाजी करने की गोया एक अंतर्राष्ट्रीय मुहिम सी छिड़ी हुई है। कभी तीन तलाक को लेकर कभी दाढ़ी को लेकर कभी पसमांदा और अशरफी मुसलमानों को लेकर कभी ईरान-अरब के मुस्लिम जगत पर कथित वर्चस्व आदि जैसे अनेक मुद्दों को लेकर दुनिया में कहीं न कहीं विरोध या अंतर्विरोध की खबरें आती ही रहती हैं। दुनिया के मुसलमानों को बदनाम करने में जो बची खुची कमी है वो अलकायदा,आई एस आई तालिबान जैसे अनेक अतिवादी व आतंकी संगठन समय समय पर अंजाम दी जाने वाली अपनी क्रूर कारगुजारियों से पूरी करते रहते हैं। मुस्लिम महिलाओं से जुड़ा ऐसा ही एक विवादित विषय है हिजाब या पर्दा। पिछले कुछ समय से हिजाब विवाद की गूँज भारत से लेकर ईरान तक सुनाई दे रही है । भारतीय अदालतों में भी इस विवाद ने दस्तक दे डाली। भारत में कट्टरपंथी दक्षिण पंथियों द्वारा फरवरी 2022 में कर्नाटक के उडुप्पी में एक कॉलेज छात्रा द्वारा हिजाब पहनने का विरोध किया गया जोकि आग की तरह फैल गया। कॉलेज में हिजाब पहनी छात्राओं को कक्षाओं में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गयी थी । 5 फरवरी 2022 को कर्नाटक सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न कॉलेज में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया गया। कर्नाटक के कई कॉलेज में हिजाब पहनने पर रोक लगाने के बाद कर्नाटक के उच्च न्यायालय में भी दो याचिकाएं दायर की गई हैं। बाद में यही हिजाब विवाद पर सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया।अभी कर्नाटक के हिजाब का मामला ठंडा भी नहीं हुआ था कि अचानक यह आग ईरान में भी फैल गयी। ईरान में गत 16 सितंबर को महसा अमीनी नामक एक कुर्द लड़की की पुलिस हिरासत में हुई मौत हो गयी। खबरों के अनुसार अपनी तेहरान यात्रा के दौरान अपने सिर को हिजाब से न ढकने के आरोप में कुछ सुरक्षा कर्मियों द्वारा महसा अमीनी को इतना मारा गया कि 22 साल की इस युवती की पुलिस हिरासत में मौत हो गई इसके विरोध में चंद दिनों के भीतर ही लगभग पूरा ईरान हिजाब विरोधी प्रदर्शनों का केंद्र बन गया। मामला चूंकि ईरान से जुड़ा था इसलिये पश्चिमी देश भी ईरान की हिजाब नीति के विरुद्ध मुखर होते दिखाई दिये। महसा अमीनी की मौत के बाद ईरान में हुये हिजाब विरोधी प्रदर्शनों में अब तक 300 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर है। यह मामला अब इतना तूल पकड़ चुका है कि ईरान के दो बार राष्ट्रपति रहे अली अकबर हाशमी रफसंजानी की बेटी फैजेह को हिजाब विरोधी दंगाइयों व प्रदर्शनकरियों को उकसाने के आरोप में उन्हें गिरफ़्तार किया जा चुका है। ईरान के अनेकानेक प्रगतिशील व उदारवादी लोग खुल कर हिजाब का विरोध कर रहे हैं। पिछले दिनों कतर में आयोजित फीफा फुटबाल मैच के दौरान ईरान की टीम ने तो हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारियों का पक्ष लेते हुये ईरानी राष्ट्रगान पढ़ने से इंकार कर दिया। इसके कितने गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं इसबात की भी ईरानी टीम ने परवाह नहीं की। इन सवालों के बीच हिजाब या मुस्लिम महिलाओं के परदे को लेकर कुछ महत्वपूर्ण बातों की अनदेखी करना भी इस विषय के साथ अन्याय करना होगा। सबसे पहला सवाल तो यह कि क्या महिलाओं को पर्दा करने का हुक्म खुदा की तरफ से जारी किया गया है? दूसरा सवाल यह कि हिजाब या परदे अथवा नकाब का कौन सा तरीका वास्तव में इस्लामी तरीका स्वीकार किया जाना चाहिये ?अरब,ईरान,इराक भारत,पाकिस्तान मिस्र आदि अनेक देशों में मुस्लिम महिलायें अलग अलग किस्म के परदे या हिजाब अपनाती हैं। कहीं सिर ढका है और चेहरा खुला है। कहीं चेहरा और सिर दोनों ढका है। तो कहीं सिर से लेकर पैरों की एड़ियां तक सब कुछ परदे में हैं। और कहीं इन में से कुछ भी नहीं है फिर भी महिलायें गर्व से स्वयं को मुस्लिम समाज का सदस्य बताती हैं। अतः कौन सा पर्दा या हिजाब सही है यह कौन तय करेगा?

गिरगिट की किटकिट

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

उसकी जुबान। दुन्नो जानलेवा..

अंग्रेजी में पढ़े लिखे लोग इसे केमेलियोंन भी कहते है। ये नाम ग्रीक शब्द केमेल (भूमि) और लायन (शेर) से मिलकर बना है। अर्थात केमेलियोंन का मतलब, धरती पे फिरने वाला शेर है। तो शेर अकेला चलता है, केमेलियोंन भी अकेला ही चलता है। इसे आसपास दूसरे गिरगिट पसंद नही होते। सरीसृपों में गिरगिट की चाल अनोखी है। वो अगले पांवों पर तनकर, सीना उठाकर मटकता सा चलता है। गिरगिट यूं तो काडेर्टा का मेम्बर है, याने रीढ़ की हड्डी होती तो है, लेकिन यूज नही होती। वो सीधा खड़ा नही होता, और यही उसकी ताकत है। सर झुकाकर, घात लगाकर, मौका पाते ही शिकार करता है। शिकार का हथियार अविश्वसनीय है, यूनिक है। प्राणी जगत में इस हथियार से हत्याङ्कगिरगिट और मनुष्य ही कर सकते हैं। वो हथियार है- जुबान।

गिरगिट की जुबान उंसके बदन से दोगुनी लम्बी होती है। यूं समझिये की अगर गिरगिट इंसान होता तो उसकी जुबान 12 फीट या तीन मीटर होती। इतनी लंबी जुबान होने का अहसास बाहर से देखने वाले को हो नही पाता। जुबान मुंह के भीतर रोल होकर रखी होती है। सही शिकार, सही मौका देखकर तीर की तरह फेंकी जाती है। चिपचिपी, लसलसी, लम्बी जुबान में कीड़े मकोड़े चिपक कर गिरगिट के मुंह मे खिंचे चले जाते हैं, निवाला बनने के लिए। मोरल- कीड़े मकोड़े ही गिरगिट की जीभ में लपटते है। - गिरगिट छोटे या मध्यम आकार के होते हैं। कुछ मौका पाकर मुटा भी जाते है। वजन हल्का होता है जो मौका देखकर फुदक कर भागने के लिए उपयुक्त है। परिवेश में घुल जाना, गिरगिट की सुरक्षा है।

सड़क हादसे में पूर्व जिला पंचायत सदस्य की मौत, तीन महीने पहले पिता की हो गई थी मौत

अखंड भारत संदेश

उन्नाव । कानपुर के नौबस्ता में हुए सड़क हादसे में पूर्व जिला पंचायत सदस्य की मौत हो गई। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अचलगंज थाना क्षेत्र के भैसई गांव निवासी पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश वर्मा (30) किसी काम से कानपुर गए थे। सोमवार सुबह वह घर लौट रहे थे।कानपुर के नौबस्ता चौराहे के पास डंपर ने कार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का दरवाजा खुल गया और वह सड़क पर गिर गए। इससे डंपर उन्हें रौंदता हुआ निकल गया। उनके पास मिले फोन से पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया।पति की मौत से पत्नी प्रियंका बेहाल हैं। उनके एक माह की बेटी है। वहीं, मृतक के पिता डॉ. हरिप्रसाद वर्मा क्षेत्र के प्रतिष्ठित डॉक्टर थे। तीन महीने पहले उनकी भी बीमारी से मौत हो गई थी। एक मौत का गम परिजन भुला न पाए थे कि दूसरे हादसे ने उन्हें झकझोर कर रख दिया।

अंतर्जनपदीय पुलिस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन संपन्न

उन्नाव । पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम में लखनऊ जोन की टीमों द्वारा उन्नाव में आयोजित अन्तर जनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2022 के अवसर पर जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीना ने संयुक्तरूप से गुब्बारे को हवा में छोड़कर एवं सिक्का उछालकर शुभारम्भ किया। इस अंतर्जनपदीय पुलिस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन सोमवार 5 दिसंबर से 8 दिसंबर 2022 तक किया गया है। प्रतियोगिता का पहला लीग मैच सीतापुर एवं बाराबंकी की टीमों के मध्य हो रहा है। सीतापुर की टीम ने टॉस जीतते हुए पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। आयोजित प्रतियोगिता में 11 जनपदों की पुलिस टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। जिसमें सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, बाराबंकी, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, राय बरेली, हरदोई एवं लखीमपुर खीरी शामिल हैं। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम को 12 ओवर दिये जायेंगे। प्रतियोगिता का फाइनल 8 दिसम्बर को खेला जायेगा।

अनियंत्रित कार ने मारी टक्कर चाचा भतीजे की मौत

अखंड भारत संदेश

बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में गहर पुरवा के सामने लखनऊ आगरा एक्सप्रेस वे पर हुआ दर्दनाक हादसा। गहरपुरवा निवासी शिवपाल 40 पुत्र भारत और सुन्दर लाल 17 पुत्र संजय कानपुर जिला अरोल में किसी मांगलिक क्रार्यक्रम से वापस लौट रहे थे। अभी वह किलोमीटर संख्या 224 के आसपास पहूंचे ही थे तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार टक्कर मारते हुए रौंदते हुए निकल गई। जिसमें चाचा भतीजे की मौके पर ही मौत हो गई। उधर टक्कर लगने के बाद अनियंत्रित कार डिवाइडर से जा टकराई। जिसमें कार सवार भूपेंद्र जादौन 39 पुत्र दौलत जादौन उसका भाई प्रमोद जादौन 42 पुत्र दौलत जादौन और सुरेन्द्र 38 निवासी राजाजी धाम सिकंदरा आगरा के रहने वाले हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जाकर देखा कि चाचा भतीजे की मौत हो चुकी है। और कार सवार गंभीर हालत में हैं। तो उनको तुंरत बांगरमऊ स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है। जब यह खबर शिवपाल के परिजनों को मिली तो घर में कोहराम मच गया।

बाजारवाद में तब्दील हो गया तहसील मुख्यालय, सत्ता पक्ष के जनप्रतिनिधि से लिए थे पचास हजार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला मुख्यालय की तहसील कर्वी इन दिनों बाजारवाद में तब्दील हो गई है। हैसियत प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज व अन्य प्रमाण पत्रों में लोगों से निश्चित धनराशि वसूले बिना कोई प्रमाण पत्र निर्गत नहीं किया जा रहा है। हाल में सत्ता पक्ष के एक जनप्रतिनिधि से हैसियत प्रमाण पत्र के नाम पर पचास हजार रुपये की वसूली की गई थी, बाद में जनप्रतिनिधि से माफी मांगते हुए रुपये लौटाये गये थे।

सोमवार को कर्वी तहसील के बाजारवाद में तब्दील होने की खबर मिली है। तहसील कर्वी में इन दिनों हैसियत प्रमाण पत्र, दाखिल-खारिज, शस्त्र आवेदन व अनुसूचित जाति की भूमि के विक्रय की अनुमति आदि मामलों में निर्धारित धनराशि फिक्स है। तहसील में कोई भी कार्य बिना निर्धारित धनराशि दिये सम्भव नहीं है। यहां तक कि हाल में सत्ता पक्ष के एक जनप्रतिनिधि से भी हैसियत प्रमाण पत्र के नाम पर तहसील में पचास हजार रुपये रिश्वत ले ली गई थी।

उस जनप्रतिनिधि ने सारा मामला मोबाइल फोन में रिकार्ड कर लिया था। जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द को जनप्रतिनिधि ने पूरे मामले से अवगत कराया। इस पर तहसील कर्वी के जिस कर्मचारी ने जनप्रतिनिधि से पचास हजार रुपये लिए थे, उसने धनराशि ही वापस नहीं की, बल्कि जनप्रतिनिधि से माफी भी मांगी थी। इस तरह से इस मामले को यहीं पर रफा-दफा कर दिया गया। इससे साफ जाहिर है कि जब सत्ता पक्ष के एक जनप्रतिनिधि को तहसील प्रशासन में घूस देनी पडती है तो आम जनता के साथ कैसा सलूक होता होगा। इस बात की कल्पना ही की जा सकती है कि आम जनता का तहसील में किस कदर शोषण होता होगा, जबकि योगी सरकार में भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टालरेंस के निर्देश हैं। इन निदेर्शों का कहीं पालन नहीं हो रहा है।

टोकन व्यवस्था से किसानों को मिले खाद: भाकियू

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह राही की अगुवाई में जिलाधिकारी सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा गया। ज्ञापन में कहा कि जिले के किसान रबी की बुवाई की तैयारी में हैं। किसानों को सही ढंग से खाद नहीं मिल रही है। इससे किसानों का समय बर्बाद हो रहा है।

सोमवार को भाकियू जिलाध्यक्ष राम सिंह राही ने एसडीएम सदर को सौंपे ज्ञापन में कहा कि टोकन व्यवस्था से किसानों को खाद दी जाये, ताकि किसान अनावश्यक भीड़ न लगायें। साधन सहकारी समितियों में खाद की उपलब्धता के अनुसार टोकन दिये जाए। इससे वितरण में दिक्कत नहीं होगी और किसानों को समय से खाद मिल जाएगी। जिन समितियों में खाद नही पहुंची, वहां भी स्टाक पर रखी खाद को पहुंचाते हुए भीड़ को नियंत्रित किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि प्राइवेट खाद

विक्रेताओं की कालाबाजारी पर रोक लगाई जाए। जिला महामंत्री अरुण कुमार पांडेय ने लो-वोल्टेज की समस्या उठाई। किसानों को पलेवा को पानी नहीं मिल रहा। जिला मीडिया प्रभारी देवेन्द्र सिंह ने बताया कि बछरन गांव में जिलाधिकारी की जनचैपाल में पांच दिन का समय देते हुए आवारा जंगली जानवरों को संरक्षित करने का आदेश जारी हुआ था। अभी तक जंगली जानवरों को संरक्षित नहीं किया गया। जंगली वनरोज व बन्दरों की निरंकुशता देखने को मिल रही है। वन विभाग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा। जिलाधिकारी के आदेशों को वन विभाग नजर अंदाज किये है। कृषि विभाग से संचालित सोलर पम्प के डीलर की तानाशाही से किसानों को सोलर पम्प नहीं लगा रहे। किसानों से सुविधा शुल्क मांगा जा रहा है। कंठीपुर गांव के किसान शिवमोहन, भाकियू तहसील अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, विजय कुमार त्रिपाठी, छेदीलाल सिंह, नरेश सिंह, अर्जुन सिंह, नरेश तिवारी, नीलकंठ द्विवेदी, आकाश सिंह, राकेश सिंह, महेश्वरी प्रसाद, रामेश्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

सीवर लाइन कार्य को विभाग ने बनाया तमाशा: मदनगोपाल दास

संत ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। श्री कामदगिरि पीठम के संत मदनगोपाल दास ने मन्दाकिनी सीवर लाइन कार्य की शिथिलता पर आक्रोश जताया है। उन्होंने मप्र के सीएम शिवराज सिंह चैहान को लिखे पत्र में कहा कि सीवर लाइन की कार्यदायी संस्था शहरी विकास विभाग व ठेका कम्पनी एवं तकनीकी एजेंसी की करतूतों के तमाशे पर नजर टिकाने की गुजारिश की है।

सोमवार को संत मदनगोपाल दास ने मप्र के सीएम शिवराज सिंह चैहान को लिखे पत्र में कहा कि शासन स्तर से पांच वर्ष से ज्यादा का समय बीतने के बाद भी सीवर लाइन कार्य धरातल पर नहीं उतारा जा सका। ठेका कम्पनी खानापूरी कर कार्य से बाहर हो चुकी है। दूसरी कम्पनी ने तकनीकी असहयोग एवं कम

बजट दिखाते हुए शिथिल है। पूर्व में जिस कम्पनी को ठेका मिला था, उसने शहर में इधर-उधर खुदाई कर धन व समय की बबार्दी की है। वर्तमान में जिस कम्पनी को कार्य दिया गया है, उसकी गति भी चिन्ताजनक है। अभी तक विधिवत सर्वे तक नहीं हो पाया। सम्पूर्ण नालों आदि की डिजाइन को आवश्यकतानुरुप अन्तिम रुप नहीं दिया गया। कार्य के सापेक्ष बजट न होने की बात कही जा रही है। संत मदनगोपाल दास के अनुसार नई कम्पनी के कार्य आवंटन के बाद तकनीकी एजेंसी ने चित्रकूट में कदम तक नहीं रखा। कार्य में घोर लापरवाही बरती जा रही है। भ्रष्टाचार की भी आशंका जताते हुए मन्दाकिनी सीवर लाइन योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता का कार्य बताते हुए मुख्यमंत्री को कार्य में नजर टिकाने की गुजारिश की है। मप्र सरकार की कार्यशैली के प्रतिकूल विभाग/ठेका कम्पनी/तकनीकी एजेंसी की करतूत देखकर कार्य तमाशा प्रतीत जाता है। बिना मुख्यमंत्री के नजर गडाये बिना सीवर लाइन का कार्य धरातल पर उतरना सम्भव नहीं है। ये जानकारी मीडिया प्रभारी अर्चन पंडित के हवाले से मिली है।

मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में 32 ने लिया हिस्सा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातोत्तर महाविद्यालय में सड़क सुरक्षा एवं जागरूकता से सम्बन्धित मण्डल स्तरीय प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में चित्रकूटधाम मण्डल के चारों जिलों के चयनित 32 प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया।

सोमवार को प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्राचार्य राजकीय महाविद्यालय मानिकपुर डॉ दुर्गेश कुमार शुक्ला, प्राचार्य गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डॉ विनय कुमार चैधरी ने किया। बतौर मुख्य अतिथि डॉ दुर्गेश कुमार शुक्ला ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। इन दिनों युवाओं के बीच बाइक का क्रेज बढ़ रहा है। उन्हें नियमों के तहत हेलमेट पहनकर गति सीमा पर अंकुश लगाते हुए चलना चाहिए। सड़क पर पैदल चलते हुए भी सतर्क रहना चाहिए। प्राचार्य डॉ

विनय कुमार चैधरी ने कहा कि वर्तमान में बढ़ रहे सड़क हादसों से हो रही परिवार, समाज एवं देश की हानि पर चिन्ता जताई। कहा कि समाज का प्रत्येक सदस्य जागरूक होकर यातायात नियमों के प्रति सजग रहे तो बडे हादसों को रोका जा सकता है। यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ राजेश कुमार पाल ने प्रतिभागी छात्र/छात्राओं का उत्साहवर्द्धन करते हुए सफलता की शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ मुकेश कुमार ने कार्यक्रम की रूपरेखा पेश की।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल में डॉ एस कुरील, डॉ रामनरेश यादव, डॉ सीमा कुमारी, डॉ अमित कुमार सिंह, डॉ राकेश कुमार शर्मा, गजेन्द्र सिंह, डॉ विनय कुमार, डॉ बृजेश श्रीवास्तव, डॉ ऋषिप्रताप सिंह, डॉ धर्मेन्द्र सिंह, डॉ धीरेन्द्र सिंह शामिल रहे। संचालन डॉ वंशगोपाल ने किया। आभार सहसंयोजक डॉ गौरव पाण्डेय ने जताया। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ धर्मेन्द्र सिंह, डॉ अतुल कुमार कुशवाहा, डॉ नीरज गुप्ता, डॉ हेमन्त कुमार बघेल, आशुतोष कुमार शुक्ला, डॉ रचित जायसवाल एवं विभिन्न महाविद्यालयों से आये प्राध्यापक मौजूद रहे।

नगर पालिका में प्रत्याशी होगा अप्रत्याशित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कर्वी नगर पालिका की सीट पिछडा वर्ग महिला के लिए आरक्षित होने से सामान्य वर्ग के चुनाव लडने के तलबगारों की भाग-दौड थम गई है।

अब कर्वी नगर पालिका सीट पर समाजसेवी रामबाबू गुप्ता व महेश साहू उर्फ मट्ठू साहू की पत्नियां ही चुनावी समर में उतर सकती हैं। नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता की पत्नी नन्दनी गुप्ता भी चुनावी समर में किस्मत आजमा सकती हैं।

सोमवार को कर्वी नगर पालिका सीट के आरक्षण की घोषणा हो गई है। अब ये सीट पिछडा वर्ग महिला के लिए आरक्षित हो गई है। ऐसे में सामान्य वर्ग के जो प्रत्याशी चुनाव लडने के तलबगार थे, उनकी आशाओं पर पानी फिर गया है। अब चुनाव के ज्यादा रोमांचक होने के आसार बनने लगे हैं।

मौजूदा नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता की पत्नी नन्दनी गुप्ता व समाजसेवी रामबाबू की पत्नी तथा महेश साहू की पत्नी ही चुनावी समर में भाजपा से आ सकती हैं। इनमें से कोई एक ही चुनावी समर में उतर सकता है।

इसी क्रम में नगर पालिका सीट के पिछडा वर्ग महिला के आरक्षित होने पर सपा से मान सिंह पटेल की पत्नी व अन्य कोई दावेदार सामने आ सकता है। फिलहाल नगर पालिका कर्वी की सीट का आरक्षण आने के बाद चुनावी समर में खासा बदलाव देखने को मिलेगा। प्रत्याशी भी अप्रत्याशित होगा। जिले की नगर पंचायत राजापुर सीट अनुसूचित जाति महिला के खाते में जाने से जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव की पत्नी संतोषी जाटव के चेयरमैन बनने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। मऊ नगर पंचायत सीट के पिछडे वर्ग और मानिकपुर सीट अनुसूचित जाति महिला के खाते में जाने से तमाम चुनाव लडने के दावेदारों के चेहरे उतरे प्रतीत हो रहे हैं।

दो छात्राओं का इंस्पायर एवार्ड में हुआ चयन

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। राजकीय बालिका इंटर कालेज कर्वी की प्रधानाचार्य पुष्पा वर्मा ने बताया कि विद्यालय की दो छात्राओं कु नन्दनी मिश्रा व कु तमन्ना का चयन इंस्पायर एवार्ड मानक प्रदर्शनी 2021-22 में जिला स्तर पर हुआ है। दोनों छात्राओं ने अपने माडल के साथ गांधी इंटर कालेज उरई में दो नवम्बर हिस्सा लिया था।

सोमवार को राजकीय बालिका इंटर कालेज कर्वी की प्रधानाचार्य पुष्पा वर्मा ने बताया कि अब राज्य स्तर पर हिस्सा लेने को कु तमन्ना कक्षा नौ का चयन हुआ है। पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है कि छात्राओं की इस उपलब्धि में प्रभारी शिक्षिका श्रीमती रीतू द्विवेदी का सहयोग सराहनीय रहा है।

प्रधानाचार्य ने बताया कि इंस्पायर एवार्ड मानक भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से प्रस्तुत कार्यक्रम है। कक्षा छह से दस तक के बच्चों को पढने को प्रेरित करता है। इसका उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता विकसित करना एवं विज्ञान के क्षेत्र में नवाचारों को लक्षित करना है। योजना में छात्रों को जिला स्तर पर दस हजार रुपये की सहयोग राशि मॉडल बनाने को सरकार की ओर से दी जाती है।

अधिसूचना जारी होते ही निकालें होर्डिंग: डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अभिषेक आनन्द ने नगर निकाय चुनाव बाबत अधिकारियों के साथ हुई बैठक में कहा कि नगरीय निकाय के चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष व शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को अधिकारी मुश्तैद रहें।

सोमवार को कलेक्टेज्ट सभागार में बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीएम अभिषेक आनन्द ने कहा कि जिस अधिकारी को जो दायित्व दिये गये हैं, उसका संवेदनशीलता से पालन करें। संवेदनशील/अतिसंवेदनशील की सूची मुख्यालय को भेजी गई है। सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि बूथों में प्रकाश, पेयजल, टायलेट की व्यवस्था सुनिश्चित करायें। अधिसूचना जारी होने के दो-तीन घंटे के अन्दर टीम बनाकर होर्डिंग उतरवायें। मतगणना स्थल पर किसी तरह की समस्या नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने एसडीएम व सीओ को निर्देश दिये कि संवेदनशील बूथों को दो-तीन दिन के अन्दर चेक कर लें। पोलिंग बूथ आबादी से दो-तीन किमी के अन्दर हैं तो ठीक हैं, वहां आवागमन को रास्ता भी देखें। एसडीएम व सीओ को निर्देश दिये कि वार्ड में अभी से चल रही चुनावी चचाओं पर नजर रखकर प्रभावी कार्यवाही तक करें, ताकि चुनाव सुचितापूर्ण व निर्भीकता तथा स्वतंत्रता से हो सकें। डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह से कहा कि वीडियोग्राफी की चैकस व्यवस्था होनी चाहिए। बैठक में एसपी अतुल शर्मा, सीडीओ अमृतपाल कौर, एडीएम कंवर बहादुर सिंह, एडीएम न्यायिक वन्दिता श्रीवास्तव, एसडीएम सदर राजबहादुर, एसडीएम मानिकपुर प्रमेश श्रीवास्तव, एसडीएम मऊ नवदीप शुक्ला, एसडीएम राजापुर प्रमोद कुमार झां, जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक बलिराज राम, पीडी ऋषिमुनि उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

छत की पटिया उखाड़कर लाखों की चोरी

मिजार्मुराद। क्षेत्र के राने चट्टी पिलर नंबर 11 के पास शनिवार की रात चोरों ने छत का पटिया उखाड़कर समर सेबल वर्क शॉप की दुकान से 1 एच पी 4 पीस समर सेबल, 30 किलो कापर तार व रिपेयर पार्ट चोर चुरा ले गए। रविवार की सुबह जब दुकानदार लाल बहादुर पटेल निवासी बसुहन चक थाना जंसा दुकान खोलने पहुँचा तो देखा कि छत की पटिया गायब है व दुकान से सामान चोरी है।भुक्तभोगी ने चोरी की सूचना मिजार्मुराद पुलिस को दी पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच पड़ताल कर चोरो के तलाश में जुट गई।भुक्तभोगी ने अज्ञात चोरों के खिलाफ थाने पर लिखित तहरीर दी।भुक्तभोगी के अनुसार चोरी हुई सामान की कीमत लगभग 1 लाख के ऊपर बताया गया।

रिटायर फौजी द्वारा गुंडागर्दी के बल पर अवैध कब्जा करने की शिकायत

नगीना। दो बहनों ने संयुक्त रूप से एसडीएम शैलेंद्र कुमार वे सीओ शुभ सूचत कुमार को शिकायती पत्र सौंपकर उसके वे उसकी बहन के बेनामा सुदा 400 गज से अधिक लाखों रुपए के प्लाट पर रिटायर फौजी पर गुंडागर्दी के बल पर अवैध कब्जा करने की शिकायत कर उसके विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायत के आधार पर पुलिस क्षेत्राधिकारी ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की।

एसडीएम शैलेंद्र कुमार वे पुलिस क्षेत्राधिकारी शुभ सूचित कुमार को सौंपे शिकायती पत्र में सीमा देवी पत्नी नौबहार निवासी वे इस्लामाबाद वे कस्तूरबा आवासीय विद्यालय पुरैनी की वार्डन सुषमा ने संयुक्त रूप से एसडीएम शैलेंद्र कुमार वे सी ओ शुभ सुचित कुमार को दिए शिकायती पत्र में कहा की ओंकार पुत्र बुध सिंह निवासी ग्राम भूरापुर ने वर्ष 2003 में अपने पुत्र आकाश के नाम मौजा कस्बा नगीना में अनुसूचित जाति की महिला से बिना शासन की अनुमति के उसके कृषि आराजी खसरा नंबर 555 /1 का पूर्ण भगदड़ भाग यानी 1209 वर्ग गज आराजी क्रय कर ली थी। ओंकार द्वारा जालसाजी कर विक्रेता को सामान्य जाति की महिला दर्शित किया तथा क्रय की गई आराजी को किसी भी सड़क पर स्थित ना होने का उल्लेख किया गया।

उक्त फर्जी जाली बेनामें से क्रेय की गयीं आराजी मे से कुछ आराजी राष्ट्रीय राजमार्ग जो कि पहले सामने से होकर गुजरता था । लेकिन चौड़ीकरण में चली गई तथा शेष में से कुछ समय बाद ओंकार सिंह के पुत्र आकाश चौधरी ने कुछ आराधी नवीन मल्होत्रा को विक्रय कर दी तथा शेष आरजी को मंजू कालर पत्नी विजय कालरा को विक्रय कर दिया शिकायती पत्र में कहा गया है कि मंजू कालरा के बिना स्वयं आकाश आराजी के पश्चिम में आराजी नूर मोहम्मद की होना बताया। यानि आकाश चौधरी के नाम मंजू कालरा को बैनामा करने के बाद कोई आराजी खसरा नंबर 555 / 1 मैं शेष नहीं रही। समस्या इसी भाग पश्चिम में जो आराजी पहले नूर मोहम्मद मोहल्ला जोहोर नईम अहमद की थी। उक्त कॉलोनाइजर द्वारा प्राथमिक व उसके साथ साथ सुषमा देवी तथा प्रमोद व उसकी पत्नी सीमा रानी को प्लाट विक्रय किए गए जो नियमानुसार राजस्व अभिलेखों में आबादी घोषित किए जाने के उपरांत किए गए जिनमें प्रमोद ने अपने प्लाट में दो मंजिला मकान का निर्माण भी पूर्ण करा लिया है।

प्रतिपक्षगुण उपरोक्त ओंकार वे आकाश जबरदस्ती गुंडागर्दी के बल पर जाली फर्जी तौर पर राजस्व अभिलेखों में हेराफेरी कर अपने साथ भू माफिया व असामाजिक तत्वों को लेकर उसके साथ साथ सुषमा देवी वे प्रमोद आदि की आराजी पर अवैध रूप से कब्जा करना चाहते हैं और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी बराबर दे रहा है।

इमरान खान का पूर्व सेना प्रमुख जनरल पर आरोप, कहा बाजवा ने उनकी सरकार के खिलाफ रचा साजि

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) कमर जावेद बाजवा पर उनकी सरकार के खिलाफ ''दोहरा खेल'' खेलने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने 2019 में तत्कालीन सेना प्रमुख के कार्यकाल को बढ़ाकर ''बड़ी गलती'' की थी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने एक स्थानीय टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में ये टिप्पणियां कीं।उन्होंने तत्कालीन सेना प्रमुख बाजवा पर भरोसा करने के लिए खेद भी जताया। खान (70) को इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये सत्ता से बाहर कर दिया गया था। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन था कि जनरल बाजवा मुझे हर चीज बताएंगे, क्योंकि हमारे हित एक ही थे कि हमें देश को बचाना था।'' खान ने यह भी दावा किया कि उन्हें खुफिया ब्यूरो (आईबी) से खबरें मिली थी कि ''उनकी सरकार के खिलाफ क्या खेल खेला जा रहा है।''

उन्होंने दावा कि तत्कालीन सैन्य प्रतिष्ठान उनकी सरकार को गिराने के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के सुप्रीमो नवाज शरीफ के संपर्क में था और अक्टूबर 2021 में आईएसआई प्रमुख के तौर पर लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को हटाने के बाद उनके खिलाफ साजिश का पर्दाफाश हो गया था। खान की ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब पाकिस्तान मुस्लिम लीग-कैद-ए-आजम (पीएमएल-क्यू) के मुनिश ईलाही ने एक टीवी साक्षात्कार में कहा कि बाजवा ने उनसे अविश्वास प्रस्ताव पर खान के लिए वोट करने के लिए कहा था।पूर्व प्रधानमंत्री ने दावा किया, ''जनरल बाजवा दोहरा खेल, खेल रहे थे और मुझे बाद में यह पता चला कि पीटीआई सदस्यों तक को अलग संदेश दिए जा रहे थे।'' इस बीच, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने रविवार को खान पर निशाना साधा कि वह सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं, चाहे इसका नतीजा देश की नींव को कमजोर करना ही क्यों न हो।

इस्लामिक स्टेट ने काबुल में पाकिस्तानी दूतावास पर हमले की जिम्मेदारी ली

काबुल। इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने पिछले हफ्ते अफगानिस्तान में पाकिस्तान के दूतावास पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है। इस हमले में पाकिस्तान के दूतावास के प्रभारी राजदूत तो बच गए थे, लेकिन उनका एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हो गया था। आईएस खुरासन शाखा ने देर रात अरबी में जारी किए संक्षिप्त बयान में दावा किया कि उसके दो लड़ाकों ने पाकिस्तानी दूतावास के प्रभारी राजदूत और उनके सुरक्षा कर्मियों पर तब हमला किया, जब वे पाकिस्तानी दूतावास के परिसर में थे।इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी जख्मी हुआ और इमारत को नुकसान पहुंचा। उसने इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए हमले

में पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी इसरार मोहम्मद जख्मी हो गए थे। वह सेना की कमांडो इकाई से संबंधित हैं। मगर दूतावास के प्रभारी राजदूत उबैद-उर-रहमान निज़ामी सुरक्षित बच गए थे।

यह हमला ऐसे वक्त में हुआ था, जब इस्लामाबाद का दावा है कि अफगानिस्तान में छुपी पाकिस्तान विरोधी ताकतें हमलों को अंजाम दे रही हैं। इस दावे को लेकर दोनों देशों में तनाव पैदा हो गया है।इस्लामाबाद में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह इस्लामिक स्टेट के दावे की पुष्टि करने की कोशिश कर रहा है। विदेश कार्यालय ने कहा, स्वतंत्र रूप से और अफगान अधिकारियों के परामर्श से, हम इन रिपोर्ट की सत्यता की पुष्टि कर रहे हैं। उसने कहा, इसके बावजूद, आतंकवादी हमला उस खतरे की याद दिलाता है कि अफगानिस्तान और क्षेत्र में आतंकवाद शांति और स्थिरता के लिए खतरा पैदा करता है।÷ विदेश कार्यालय ने कहा, ÷ हमें इस खतरे को हराने के लिए सामूहिक तौर पर दृढ़ता से कार्रवाई करनी चाहिए।

इजराइल के लिए कर रहे थे जासूसी, चार लोगों को ईरान ने दी फांसी की सजा

तेहरान। इज़राइल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के लिए काम करने के आरोप में चार लोगों को ईरान में फांसी दी गई। वहीं, तीन अन्य को लंबी कैद की सजा सुनाई गई है। सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने बताया कि ईरान की रेवलूशनरी गार्ड (सशस्त्र बल) ने इज़राइली एजेंसी से जुड़े लोगों के एक नेटवर्क को पकड़ने की जानकारी दी थी। उसने कहा कि इन लोगों का आपराधिक रिकॉर्ड है और उन्होंने देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है।खबर में कहा गया है कि ये लोग

ईरान कभी-कभी कुछ लोगों को हिरासत में लेने का बयान जारी करता है और दावा करता है कि वे अमेरिका और इज़राइल सहित अन्य देशों के लिए जासूसी कर रहे हैं। ईरान, इजराइल को मान्यता नहीं देता है और पूरे क्षेत्र में इजराइल विरोधी सशस्त्र समूहों जैसे हिज़्बुल्लाह और हमास का समर्थन करता है।

निजी और सरकारी संपत्ति चुराते थे तथा व्यक्तियों को अगवा कर उनसे पूछताछ करते थे। एजेंसी की खबर में कहा गया है कि इन कथित जासूसों के पास हथियार थे और उन्हें 'क्रिप्टोकरेंसी' के रूप में मोसाद से मेहनताना मिलता था। ईरान और इज़राइल एक दूसरे के कट्टर दुश्मन देश हैं।

ईरान कभी-कभी कुछ लोगों को हिरासत में लेने का बयान जारी करता है और दावा करता है कि वे अमेरिका और इज़राइल सहित अन्य देशों के लिए जासूसी कर रहे हैं। ईरान, इजराइल को मान्यता नहीं देता है और पूरे क्षेत्र में इजराइल विरोधी सशस्त्र समूहों जैसे हिज़्बुल्लाह और हमास का समर्थन करता है। इरना ने बताया कि जिन लोगों को फांसी दी गई है, उनके नाम हुसैन ओरदोखानज़ादा, शाहीन इमानी मोहमुदाबादी, मिलाद अशरफी और मनौचेहर शाहबंदी हैं। खबर के मुताबिक, नेटवर्क के अन्य तीन सदस्यों को पांच से 10 साल कैद की सज़ा सुनाई गई है, लेकिन उनकी पहचान नहीं बताई।

रूस के कैस्पियन सागर तट पर मृत मिलीं 2500 सील, विशेषज्ञों को समुद्र तट से नहीं मिला प्रदूषक तत्व

मास्को। दक्षिणी रूस के कैस्पियन सागर तट पर लगभग 2500 सील मृत पाई गई हैं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि इनकी सामूहिक मौत किस वजह से हुई।

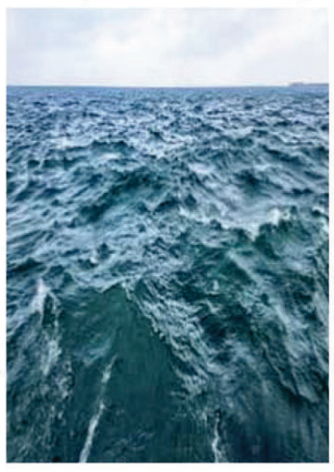

अधिकारियों ने शुरू में बताया कि तट पर 700 सील की मौत हो गई, लेकिन रूसी प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण मंत्रालय के दागेस्तान डिवीजन ने बाद में आंकड़ा बढ़ाकर लगभग 2,500 कर दिया। कैस्पियन पर्यावरण सुरक्षा सेंटर के प्रमुख जौर गैपिजोव ने कहा, कुछ हफ्ते पहले सील की मौत हो गई थी। इस बात के कोई संकेत नहीं है कि उन्हें मार दिया गया या मछली पकड़ने के जाल में फंस गए। वहीं विशेषज्ञों को अभी तक समुद्र तट से कोई प्रदूषक तत्व नहीं मिला है।

नाइजीरिया में बंदकूधारियों ने मस्जिद में घुसकर 12 लोगों की हत्या की

अबुजा। नाइजीरिया में बंदूकधारियों ने एक इमाम सहित एक दर्जन उपासकों की हत्या कर दी। इसके अलावा एक मस्जिद से कई अन्य लोगों का अपहरण कर लिया। स्थानीय निवासियों ने देश के

उत्तर में हुई सशस्त्र गिरोह की इस वारदात की जानकारी दी। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक मैगामजी समुदाय की मस्जिद में यह वारदात हुई। उल्लेखनीय है कि यहां ऐसे गिरोह उन समुदायों पर हमला करते हैं जहां सुरक्षा कड़ी होती है। यह गिरोह अपहृत लोगों को छोड़ने के बदले फिरौती मांगते हैं। साथ ही ग्रामीणों को संरक्षण शुल्क वसूलते हैं। इसके बाद यह गिरोह लोगों को खेती करने और फसल काटने से नहीं रोकते। राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के गृह राज्य कैटसीना के फुनटुआ निवासी लॉवल हारुना के मुताबिक बंदूकधारी बाइक से मैगामजी मस्जिद पहुंचे और गोलीबारी शुरू कर दी। इससे मस्जिद में भगदड़ मच गई। इस गोलीबारी में मुख्य इमाम सहित करीब 12 लोग मारे गए।

कोल इंडिया से सरकार को मिला 6113 रुपये का लाभांश: दीपम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड और मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएसटीसी) से लाभांश के तौर पर क्रमशः करीब 6113 करोड़ रुपये और 25 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। वित्त मंत्रालय के निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) सचिव तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को ट्वीट कर यह जानकारी दी। दीपम सचिव के मुताबिक सरकार को कोयला मंत्रालय के कोल इंडिया लिमिटेड 6113 करोड़ रुपये और इस्पात मंत्रालय के एमएसटीसी से 25 करोड़ रुपये लाभांश के तौर पर प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार को इससे पहले सार्वजनिक क्षेत्र कंपनी पावर ग्रिड, ऑयल इंडिया, बीईएल, मझगांव डॉक और मिधानी से करोड़ों रुपये के लाभांश मिले थे।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
Title UPHIN 29506
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

एक बार फिर भूस्खलन की चपेट में कोलंबिया, तीन की मौत, 20 से ज्यादा लापता

कोलंबिया। कोलंबिया से एक बार फिर से भूस्खलन की खबर है। यहां की एक सड़क को भूस्खलन ने अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों का कहना है कि अभी भी 20 लोगों के फंसे होने की खबर है, जिन्हें निकालने के लिए बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

अधिकारियों के मुताबिक, बचाव दल एक बस और एक मोटरसाइकिल सवार लोगों की तलाश में जुटा हुआ है, जिनकी भूस्खलन में फंसे होने की खबर है। इस बीच राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने जानकारी दी कि अभी तक नौ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जिसमें तीन की मौत हो गई। करीब 20 लोग लापता हैं।

सिविल डिफेंस के एक अधिकारी के मुताबिक, बस में करीब 25 यात्री सवार थे। बता दें, अगस्त में शुरू हुई बारिश के कारण कोलंबिया बीते 40 वर्षों में सबसे खराब मौसम के दौर से गुजर रहा है। अलग-अलग घटनाओं में अब तक 270 लोगों की मौत हो चुकी है।

ईरान ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र का शुरू किया निर्माण, दो अरब डॉलर की लागत से होगा तैयार

तेहरान। ईरान ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र का निर्माण शुरू करने का एलान किया। ईरान के सरकारी टीवी चैनल के मुताबिक कारून नाम से 300 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता वाला संयंत्र आठ साल में दो अरब डॉलर की लागत से तैयार होगा। परमाणु समझौते से अमेरिका के हाथ खींचने के बाद लागू पाबंदियों के बीच इराक से लगी ईरान की पश्चिमी सीमा के पास तेल संपन्न खुजेस्तान प्रांत में बनने जा रहे संयंत्र की घोषणा ईरान ऐसे समय में की है, जब पूरा देश सरकार विरोधी प्रदर्शनों में घिरा है।

संयंत्र के शिलान्यास समारोह में ईरान के असैन्य परमाणु ऊर्जा संगठन के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने भाग लिया, जिन्होंने अप्रैल में कारून के निर्माण की योजनाओं बनाई थी। ईरान में बुशहर के दक्षिणी बंदरगाह पर भी एक परमाणु ऊर्जा संयंत्र है, इसके अलावा कई भूमिगत परमाणु केंद्र भी हैं। ईरान ने दो सप्ताह पहले ही कहा था कि उसने देश के भूमिगत

फोर्डो परमाणु केंद्र में 60 फीसदी शुद्धता पर समृद्ध यूरेनियम का उत्पादन शुरू कर दिया है। इस कदम को देश के परमाणु कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण वृद्धि के रूप में देखा जा रहा है।

चिंता की बात

ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नजर रखने वाली संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईएईए के मुताबिक अगर 60 फीसदी शुद्धता के साथ यूरेनियम संवर्द्धन का दावा सही है, तो ईरान परमाणु हथियारों के लिए 90 फीसदी की शुद्धता हासिल करने से एक कदम दूर है। परमाणु अप्रसार विशेषज्ञों ने महीने भर पहले ही चेतावनी दी थी कि ईरान के पास परमाणु बम बनाने के लिए पर्याप्त ईंधन है।

ट्रंप ने तोड़ा समझौता

ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने समझौता किया था, जिसके तहत ईरान को अपने परमाणु कार्यक्रम को बंद करना था, जिसके बदले में उसे अमेरिका और यूरोपीय देशों से प्रतिबंधों में ढील दी जानी थी। लेकिन, 2018 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर धोखेबाजी का आरोप लगाते हुए अमेरिका को इस समझौते से हटा लिया, जिसके बाद ईरान ने तेजी से परमाणु कार्यक्रम को बहाल किया था।

'2020 का चुनाव सबसे बड़ा धोखा था', पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की अमेरिकी संविधान भंग करने की मांग

वाशिंगटन। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिन्होंने हाल ही में 2024 के चुनाव में उतरने की घोषणा की थी अब एक बार फिर से 2020 के चुनाव का मामला उठा दिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट में 2020 के चुनाव को 'बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी' करार देते हुए अमेरिकी संविधान को समाप्त करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि बड़ी टेक कंपनियां डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर उनके खिलाफ हो गई हैं।

क्या हैं ट्रंप के आरोप?

ट्रंप ने अपने सोशल नेटवर्क एप ट्रुथ पर पोस्ट करते हुए लिखा कि 2020 के चुनाव में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी हुई थी जो कि संविधान में पाए गए सभी नियमों, विनियमों और लेखों को समाप्त करने की अनुमति देती है। ट्रंप ने बड़ी टेक कंपनियों पर डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया है। हमारे महान 'संस्थापक' झूठे और कपटपूर्ण चुनावों को नहीं चाहते थे और न ही माफ करेंगे।

बयान की निंदा की

व्हाइट हाउस ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए कहा कि संविधान और इसके सभी सिद्धांतों पर हमला करना हमारे राष्ट्र की आत्मा के लिए अभिशाप है और इसकी सार्वभौमिक रूप से निंदा की जानी चाहिए। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता एंड्रयू बेट्स ने कहा कि जब आप जीतते हैं तो आप केवल अमेरिका से प्यार नहीं कर सकते। उन्होंने संविधान को पवित्र दस्तावेज बताया।

ट्रंप संविधान का सबसे बड़ा दुश्मनः लिज चेनी

ट्रंप की विरोधी माने जाने वाली लिज चेनी ने भी डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि का मानना है कि हमें 2020 के चुनाव परिणाम को पलटने के लिए संविधान के सभी नियमों, विनियमों और लेखों तक को भी समाप्त कर देना चाहिए। पहले भी उनका यही विचार था और आज भी उनका विचार बना हुआ है। कोई भी ईमानदार व्यक्ति अब इस बात से इंकार नहीं कर सकता कि ट्रंप संविधान के दुश्मन हैं।

नासा ने अंतरिक्ष स्टेशन पर सफलतापूर्वक स्थापित किया सोलर एरे, सात घंटे चली प्रक्रिया

वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के अंतरिक्ष यात्रियों जोश कसाडा और फ्रैंक रुबियो ने रविवार को नया रोल-आउट सोलर एरे को सफलतापूर्वक स्थापित किया। नासा ने ट्विटर पर वीडियो साझा करते हुए लिखा, क्या हम इसे फिक्स कर सकते हैं? हां, हम कर सकते हैं। अंतरिक्ष यात्री जोश कसाडा और फ्रैंक रुबियो ने अंतरिक्ष केंद्र के तारे की आकृति वाले बोर्ड पर यह नया सोलर एरे लगाया है। इस दौरान उन्होंने सोलर पैनल की 75 फीसदी की संचालन क्षमता बहाल करने के लिए एक केबल को काट कर अलग कर दिया।

एक आईआरओएसए स्थापित करने के अलावा स्पेसवॉकर 1बी पावर चैनल को फिर से सक्रिय करने के लिए एक केबल को डिस्कनेक्ट करेगा, क्योंकि इसके इलेक्टिकल सिस्टम में पावर ट्रिप के कारण इसे बंद कर दिया गया था। नासा ने बताया कि केबल का डिस्कनेक्शन एरे के प्रभावित हिस्से को अलग कर देगा।स्टेशन पर एक नया रोल-आउट सोलर एरे को सफलतापूर्वक स्थापित करने के बाद अंतरिक्ष यात्रियों ने सुबह 12:51 बजे स्पेसवॉक खत्म कर दिया। इस प्रक्रिया में अभियान 68 के क्रू मेंबर्स के सदस्यों को स्पेसवॉक के लिए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के क्वेस्ट एयरलॉक से बाहर निकलने की तैयारी 7:25 (ईटी) पर शुरू हुई और लगभग सात घंटे तक चली। नासा ने कहा कि 4ए पावर चैनल पर एक आईआरओएसए स्थापित करने के लिए अगला यूएस स्पेसवॉक 19 दिसंबर, सोमवार को होगा। इंस्टॉलेशनों के लिए नियोजित कुल छह में से यह चौथा

आईआरओएसए होगा। जो कि इसकी बिजली उत्पादन क्षमता में 30 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगा, इससे स्टेशन की कुल उपलब्ध बिजली 160 किलोवाट से 215 किलोवाट तक बढ़ जाएगी। कसाडा क्रू मेंबर के अतिरिक्त सदस्य 1 (ईवी 1) के रूप में काम करेगा और रेड स्ट्रिप्स वाला सूट पहनेगा। रुबियो क्रू मेंबर के अतिरिक्त सदस्य 2 (ईवी 2) के रूप में काम करेगा और अनमार्क्ड सूट पहनेगा। कसाडा और रुबियो दोनों के लिए स्पेसवॉक दूसरा होगा।

इंडोनेशिया के माउंट सेमेरू ज्वालामुखी में भयानक विस्फोट

जकार्ता। इंडोनेशिया के सबसे ऊंचे ज्वालामुखी माउंट सेमेरू पर एक दिन पहले भयानक विस्फोट हुआ है। इसका लावा थमने का नाम ही नहीं ले रहा। आसपास के इलाकों में गर्म राख और गैस के बादल छा गए हैं।

माउंट सेमेरू कुछ दिनों से सुलग रहा था। बारिश के कारण लावा डोम टूटने से वह तेजी से सक्रिय हो गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने कहा कि ज्वालामुखी से निकलने वाली राख से छह गांव ढक गए हैं। अब तक किसी के मरने की सूचना नहीं है। सैकड़ों निवासी सुरक्षित स्थान पर पहले ही चले गए हैं। धुआं और राख से आसमान काला हो गया है। दिन में भी लोगों को लाइट जलाकर रहने पर मजबूर होना पड़ रहा है। राहत एवं बचाव कार्य जारी है। माउंट

सेमेरू दक्षिणपूर्व स्थित जावा में है। यहां 121 ज्वालामुखी हैं। यह कई सालों से सक्रिय हैं। इनमें से माउंट सेमेरू सबसे खतरनाक और ऊंचा ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी इस वक्त आग की लपटों से धधक रहा है। पिछले साल माउंट सेमेरू में विस्फोट होने से 51 लोगों की मौत हो गई थी। 10 हजार लोगों को अपना घर छोड़कर दूसरी जगह पर रहना पड़ा था। इस ज्वालामुखी के डेंजर जोन में इस समय 3 हजार मकान हैं। माउंट सेमेरू के विस्फोट के बाद से राख और धुंआ पांच हजार फीट की ऊंचाई तक आसमानों में फैल गया है। धरती पर 1500 सक्रिय ज्वालामुखी में सबसे ज्यादा खतरनाक ज्वालामुखी इंडोनेशिया में ही है।